घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 54- बुधवार 24- दिसम्बर 2025,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2023-2025

बांग्लादेशी हिंदू युवक की हत्या का भारत में विरोध...

विश्व हिंदू परिषद का 6 शहरों में प्रदर्शन,ढाका में भारतीय उच्चायुक्त तलब...

नई दिल्ली,23 दिसम्बर 2025। बांग्लादेश में हिंदू युवक की हत्या के खिलाफ विश्व हिंदू परिषद देशभर में प्रदर्शन कर रही है। आज सुबह वीएचपी के कार्यकर्ताओं ने दिल्ली में बांग्लादेश हाई कमीशन के बाहर प्रदर्शन किया। वीएचपी ने दिल्ली,मुंबई, कोलकाता, अहमदाबाद, भोपाल और जम्मू में रैली निकालकर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग की। बांग्लादेश में 18 दिसंबर की रात हिंदू युवक दीपू चंद्र की हत्या कर दी गई थी। पहले यह दावा किया जा रहा था कि दीपू ने फेसबुक पर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली टिप्पणी की थी, लेकिन शुरुआती जांच में इसका कोई सबूत नहीं मिला। इस बीच बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को तलब किया है। यह एक हफ्ते में दूसरी बार है, जब भारतीय उच्चायुक्त को बुलाया गया है। बांग्लादेशी छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी की मौत के बाद भारत विरोधी प्रदर्शनों और फिर मैमन सिंह जिले में दीपू की मॉब लिंचिंग को लेकर दोनों देशों के रिश्ते काफी बिगड़ गए हैं।

बांग्लादेश ने राजनयिक मिशनों पर हमले को लेकर चिंता जताई...

बांग्लादेश ने मंगलवार को भारत में अपने राजनयिक मिशनों पर हुए हमलों को लेकर गहरी चिंता जताई। विदेश मंत्रालय के बयान के मुताबिक इन घटनाओं के विरोध में भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को तलब किया गया। घटनाएं नई दिल्ली और सिलीगुड़ी में हुईं। बांग्लादेश ने कहा कि यह हिंसा और डराने-धमकाने की घटनाएं अस्वीकार्य हैं। ऐसे कृत्य न सिर्फ राजनयिक कर्मचारियों की सुरक्षा को खतरे में डालते हैं, बल्कि आपसी सम्मान, शांति और सहिष्णुता जैसे मूल्यों को भी कमजोर करते हैं। विदेश मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक, प्रणय वर्मा को भारत में बांग्लादेशी मिशनों की सुरक्षा स्थिति को लेकर बुलाया गया। उन्हें निर्देश दिया गया कि सभी दूतावासों और संबंधित ठिकानों की सुरक्षा कड़ी की जाए। बांग्लादेश ने आरोप लगाया कि भारत में रहकर पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना लगातार ऐसे बयान दे रही हैं, जिन्हें बांग्लादेश भड़काऊ मानता है।

बांग्लादेश बोला...भारत दूतावासों की सुरक्षा सुनिश्चित करे...

बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने उच्चायुक्त से कहा कि इन घटनाओं से डिप्लोमैट्स और हाई कमीशन की सुरक्षा पर खतरा पैदा हुआ है। उसने भारत सरकार से अपील की कि वह इनकी सुरक्षा सुनिश्चित करे। बयान में यह भी कहा गया कि बांग्लादेश सरकार ने भारत सरकार से इन घटनाओं की जांच कराने, भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए जरूरी कदम उठाने और भारत में स्थित बांग्लादेश के राजनयिक मिशनों और उनसे जुड़ी सुविधाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने को कहा है। इन घटनाओं में 22 दिसंबर 2025 को सिलीगुड़ी में बांग्लादेश वीजा सेंटर में तोड़फोड़ और 20 दिसंबर 2025 को नई दिल्ली में बांग्लादेश उच्चायोग के बाहर प्रदर्शन शामिल है। बयान में कहा गया कि बांग्लादेश सरकार को उम्मीद है कि भारत सरकार अपनी अंतरराष्ट्रीय और राजनयिक जिम्मेदारियों के तहत तुरंत उचित कदम उठाएगी, ताकि राजनयिक कर्मियों और दूतावासों की गरिमा और सुरक्षा बनी रहे। इन्हीं सुरक्षा चिंताओं के चलते बांग्लादेश ने दिल्ली और सिलीगुड़ी में वीजा सेवाएं निलंबित कर दी हैं।

बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदाय की सुरक्षा की मांग...

उधर,बांग्लादेश हिंसा के खिलाफ भोपाल के इतवारा में मंगलवार को ऑल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी ने विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान बांग्लादेश सरकार का पुतला जलाया गया। कमेटी के संरक्षक शमशुल हसन ने कहा- यह विरोध सिर्फ प्रतीकात्मक नहीं है, बल्कि बांग्लादेश में हो रही घटनाओं को लेकर समाज के भीतर गहरी पीड़ा और आक्रोश को दर्शाता है। यह पुतला दहन नहीं, हमारे दिलों में जल रही वह आग है, जो बांग्लादेश में हमारे हिंदू भाइयों के साथ हो रहे अत्याचारों को देखकर भड़की है। जिस तरह वहां सरेआम हत्याएं और हिंसा की खबरें सामने आ रही हैं, वह बेहद चिंताजनक और अमानवीय है। शमशुल हसन ने भारत सरकार से मांग की है कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों को लेकर अब कड़े और प्रभावी कदम उठाए जाएं। यह मुद्दा केवल एक समुदाय तक सीमित नहीं है, बल्कि मानवाधिकारों से जुड़ा गंभीर सवाल है,जिसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर मजबूती से उठाया जाना चाहिए।

ओडिशा में हथियारों के साथ 22 माओवादियों का आत्मसमर्पण

2 करोड़ 25 लाख का था इनाम

भुवनेश्वर,23 दिसम्बर 2025। मलकानगिरी जिला पुलिस के समक्ष मंगलवार को 22 माओवादियों ने हथियारों और विस्फोटक सामग्री के साथ आत्मसमर्पण किया। माओवादियों ने विभिन्न कैलिबर के 9 (नौ) आग्नेयास्त्र, 150 जीवित कारतूस, 9 मैगज़ीन, 20 किग्रा विस्फोटक, 13 आईईडी, जिलेटिन स्टिक, कोडेक्स वायर, माओवादी साहित्य तथा अन्य सामग्री सौंप दी। सभी ने पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) वाई.बी. खुरानिया के समक्ष आत्मसमर्पण किया। जिला पुलिस कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में डीजीपी वाई. बी. खुरानिया, डीआईजी कन्वर विशाल सिंह, मलकानगिरी जिलाधिकारी सोमेश उपाध्याय, एसपी बिनोद पाटिल एच सहित अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित थे। डीजीपी ने कहा कि हिंसा का रास्ता छोड़कर आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों को सरकारी नीति के अनुसार पुनर्वास और विभिन्न प्रकार की सहायता प्रदान की जाएगी। उन्होंने युवाओं से हिंसा त्याग कर मुख्यधारा में लौटने की अपील की। पुलिस के अनुसार, आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों पर कुल 2 करोड़ 25 लाख रुपये से अधिक का इनाम घोषित था। आत्मसमर्पण के बाद सभी को राज्य सरकार की पुनर्वास नीति के तहत सुविधाएं दी जाएंगी। यह सामूहिक आत्मसमर्पण सीपीआई (माओवादी) के लिए बड़ा झटका है।

तमिलनाडु में चौंकाने वाली घटना...2 साल पहले कुत्ते ने काटा,अब रेबीज से मौत,डॉक्टर भी हैरान

रानीपेट,23 दिसम्बर 2025। रानीपेट जिले के अरक्कोनम क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है,जहां 18 वर्षीय युवक जे दिवा की रेबीज संक्रमण से मौत हो गई। चौंकाने वाली बात यह है कि कुत्ते के काटने की घटना करीब दो साल पुरानी थी,लेकिन अचानक लक्षण उभरने से कुछ ही दिनों में युवक की जान चली गई।

जे दिवा मोसुर गांव के बालाजी नगर का रहने वाला था और दिहाड़ी मजदूर जंबुलिंगम व बेबी का इकलौता बेटा था। उसने सरकारी स्कूल से 12वीं तक पढ़ाई पूरी की थी और आगे की तैयारी कर रहा था। स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, दो दिन पहले उसे अचानक तेज बुखार और व्यवहार में असामान्य बदलाव नजर आया। शनिवार को हालत बिगड़ने पर परिजन उसे स्थानीय अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने रेबीज के लक्षण देखते हुए आईसीयू में भर्ती किया। परिजनों से पूछताछ में पता चला कि दो वर्ष पहले एक आवारा कुत्ते ने उसे काटा था। रानीपेट संयुक्त स्वास्थ्य निदेशक ने बताया कि संदेह होने पर युवक को तिरुवल्लूर और फिर चेन्नई के राजीव गांधी सरकारी अस्पताल रेफर किया गया,जहां रेबीज की पुष्टि हुई। इलाज के बावजूद उसकी हालत बिगड़ती गई और दो दिनों में मौत हो गई। अधिकारियों का कहना है कि जे दिवा को आवारा कुत्तों से काफी लगाव था और संभवतः उसने काटने की घटना को गंभीरता से नहीं लिया या परिवार को नहीं बताया। यह लापरवाही घातक साबित हुई।

भाजपा कार्यकारी अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार पटना पहुंचे नितिन नबीन

राहुल को ऐसे भगाया कि जर्मनी चले गए : नबीन

पटना,23 दिसम्बर 2025। बीजेपी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनने के बाद बांकीपुर विधायक नितिन नबीन पहली बार पटना आए हैं। पटना में 6चरू के लंबे रोड शो के बाद उन्होंने मिलर हाई स्कूल के ग्राउंड में पहुंचे। यहां उनके स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नितिन नबीन कहा, 'राहुल गांधी की तरह पार्ट टाइम पॉलिटिक्स नहीं करना है। बिहार की जनता ने राहुल को ऐसे भगाया कि जर्मनी में बस गए। जर्मनी की जमीन पर जाकर वे देश को गाली दे रहे हैं। देश में रहकर देश को गाली देते हैं। ऐसे लोगों को चोट देने का समय आ गया है। बिहार में भी एक पार्ट टाइम पॉलिटिशियन है। चुनाव हारते हैं तो विदेश घूमने चले जाते हैं। उन्होंने कहा, बिहार के बाद बंगाल और केरल भी जीतेंगे।' मंच पर डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी, विजय सिन्हा और बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी मौजूद रहे।

सम्राट ने विजय सिन्हा को नितिन के बगल से हटाया...

नितिन नबीन ने पटना एयरपोर्ट से रोड शो की शुरुआत की। उनके स्वागत के लिए हाथी,ऊंट और घोड़े का इंतजाम किया गया है। जोड़ी मोदी-नीतीश के हिट हो गइल गाने पर महिलाएं डांस करती दिखीं। राजवंशी नगर के हनुमान मंदिर में उन्होंने पूजा की। एयरपोर्ट इलाके में 1.5 चरूज्यादा लंबा जाम लग गया है। रोड शो के दौरान विजय सिन्हा नितिन नबीन के बगल में खड़े थे, तभी सम्राट चौधरी ने उन्हें साइड होने को कहा और खुद राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष के बगल में खड़े हो गए।

संजय सरावगी बोले... ये पद नहीं जिम्मेदारी है...

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा, 'नितिन नबीन को पद नहीं, बल्कि बड़ी जिम्मेदारी मिली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को साकार करने में बिहार भाजपा पूरी ताकत से योगदान देगी। संगठन और सरकार के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर बिहार को विकास की नई ऊंचाइयों तक ले जाया जाएगा'।

बीजेपी संविधान खत्म करने की साजिश रच रही,ईडी-सीबीआई विपक्ष के खिलाफ हथियार की तरह इस्तेमाल हो रहे : राहुल

बर्लिन,23 दिसम्बर 2025। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बीजेपी पर भारतीय संविधान को खत्म करने की साजिश रचने का आरोप लगाया है। राहुल ने कहा...बीजेपी संविधान की उस मूल भावना को खत्म करना चाहती है, जो सभी नागरिकों को समान अधिकार देती है। राहुल 17 से 19 दिसंबर तक जर्मनी दौरे पर पहुंचे थे। इस दौरान 18 अक्टूबर को उन्होंने बर्लिन स्थित हर्टी स्कूल में छात्रों को संबोधित किया था। कांग्रेस ने सोमवार रात इस बातचीत का एक घंटे लंबा वीडियो जारी किया। वीडियो में राहुल ने कहा, बीजेपी राज्यों की समानता,भाषाओं की समानता और धर्मों की समानता के विचार को खत्म करने की बात कर रही है।

बीजेपी ने देश की संस्थाओं पर भी पूरा कब्जा कर लिया है राहुल ने कहा- लोकतांत्रिक संस्थाएं स्वतंत्र रूप से काम नहीं कर पा रही हैं। सीबीआई और ईडी जैसी एजेंसियों का राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। एजेंसियां सिर्फ विपक्षी नेताओं पर केस दर्ज कर रही हैं, भाजपा नेताओं पर कोई दर्ज नहीं किया जाता। हम सिर्फ बीजेपी से नहीं लड़ रहे, हम उनके भारतीय संस्थागत ढांचे और एजेंसियों पर कब्जे के खिलाफ भी लड़ रहे हैं।

अयोध्या में श्रीराम की दिव्य प्रतिमा का आगमन सोने-हीरे से जड़ी पाँच कुंटल वजनी मूर्ति होगी स्थापित

अयोध्या,23 दिसम्बर 2025। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर परिसर में एक और ऐतिहासिक और भव्य अध्याय जुड़ने जा रहा है। प्रभु श्रीराम की सोने, हीरे और बहुमूल्य रत्नों से निर्मित विशेष प्रतिमा अयोध्या पहुंच चुकी है। करीब पाँच कुंटल वजनी यह भव्य प्रतिमा करोड़ों रुपये मूल्य की बताई जा रही है, जिसे विशेष रूप से कर्नाटक में तैयार कराकर अयोध्या लाया गया है। यह प्रतिमा राम मंदिर परिसर में संत तुलसीदास मंदिर के समीप स्थित अंगद टीला पर स्थापित की जाएगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह कोई साधारण मूर्ति नहीं है, बल्कि इसमें कीमती रत्न जड़े हुए हैं और इसका निर्माण अत्यंत कलात्मक व पारंपरिक शिल्प के साथ किया गया है। प्रतिमा की स्थापना के बाद विधिवत अनावरण किया जाएगा, जिसे लेकर श्रद्धालुओं में भारी उत्साह है। प्रतिष्ठा द्वादशी महोत्सव को लेकर अंगद टीला परिसर में तैयारियां तेज हो गई हैं।

हरियाणा में दम घुटने से 5 लोगों की मौत

कुरुक्षेत्र,23 दिसम्बर 2025। हरियाणा के कुरुक्षेत्र में दम घुटने से यूपी के ठेकेदार सहित 5 मजदूरों की मौत हो गई। पांचों सोमवार को काम से लौटने के बाद जिला जेल के पास होटल स्टर्लिंग के कमरे में कोयले की अंगीठी जलाकर सोए थे। मंगलवार को जब काफी देर तक नहीं उठे तो होटल कर्मचारियों ने पुलिस बुलाई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़ा और अंदर प्रवेश किया। अंदर का दृश्य देख सभी के होश उड़ गए। पांचों बेसुध पड़े थे। तुरंत ही सभी को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

दुनिया का सबसे बड़ा 210 टन वजनी शिवलिंग सागर पहुंचा...दर्शन के लिए उमड़ी भीड़...

सागर,23 दिसम्बर 2025। दुनिया का सबसे बड़ा शिवलिंग राष्ट्रीय राजमार्ग-44 के रास्ते मध्य प्रदेश के सिवनी जिले से होते हुए सोमवार रात सागर जिले की सीमा में पहुंचा। देर रात यह काफिला कटंगी मंदिर के पास रुका। यहां दर्शन के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। इसके बाद यह 210 टन वजनी शिवलिंग मंगलवार सुबह महाराजपुर और देवरी पहुंचा। यहां भी लोगों की भीड़ जुट गई। इस विशालकाय शिवलिंग को देखने के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग पर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। इस शिवलिंग को बिहार के पूर्वी चंपारण जिले के कल्याणपुर प्रखंड अंतर्गत कैथवलिया गांव (जानकीनगर) में निर्माणाधीन विराट रामायण मंदिर में स्थापित किया जाएगा। विगत 21 नवंबर को 33 फुट ऊंचे एवं 210 मीट्रिक टन वजनी शिवलिंग को तमिलनाडु के महाबलीपुरम से रवाना किया गया। इसे 110 पहियों वाले विशेष वाहन से लाया जा रहा है। इस शिवलिंग के निर्माण में करीब 10 वर्षों का समय लगा है। करीब तीन करोड़ रुपये की लागत से एक ही ग्रेनाइट पत्थर को तराश कर शिल्पकार लोकनाथ की टीम ने शिवलिंग को तैयार किया है। शिवलिंग का वजन इतना ज्यादा है कि ट्रक महज 5 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रहा है।

जन केंद्रित राष्ट्रीय सुरक्षा से ही संभव है विकसित भारत का निर्माण : राष्ट्रपति

नई दिल्ली,23 दिसम्बर 2025। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि राष्ट्रीय सुरक्षा आर्थिक निवेश और विकास के प्रमुख चालकों में से एक है और नागरिकों की सक्रिय भागीदारी के बिना 21वीं सदी की जटिल सुरक्षा चुनौतियों से प्रभावी ढंग से नहीं निपटा जा सकता।

उन्होंने जोर देते हुए कहा कि नागरिक कल्याण और जन सहभागिता को केंद्र में रखकर ही सुरक्षित, समृद्ध और विकसित भारत का निर्माण संभव है। राष्ट्रपति मंगलवार को यहां आयोजित इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) शताब्दी एंडोमेंट व्याख्यान को 'जन-केंद्रित राष्ट्रीय सुरक्षाः विकसित भारत के निर्माण में सामुदायिक भागीदारी' विषय पर संबोधित कर रही थीं। राष्ट्रपति ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद से इंटेलिजेंस ब्यूरो ने देश की आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने, जनता की रक्षा करने और भारत की एकता व अखंडता को मजबूत बनाए रखने में एक महत्वपूर्ण और सराहनीय भूमिका निभाई है। उन्होंने इसे देश के लिए गर्व का विषय बताया। राष्ट्रपति ने कहा कि यह विषय वर्तमान समय के साथ-साथ भविष्य के लिए भी अत्यंत प्रासंगिक है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि राष्ट्रीय सुरक्षा केवल सरकार या सुरक्षा एजेंसियों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक का कर्तव्य है। सतर्क और जागरूक नागरिक सुरक्षा एजेंसियों के प्रयासों को मजबूत समर्थन प्रदान कर सकते हैं। जब नागरिक समुदाय के रूप में संगठित होकर कार्य करते हैं, तो उनमें असाधारण समन्वय और प्रभाव उत्पन्न होता है। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान में वर्णित मौलिक कर्तव्यों में से कई राष्ट्रीय सुरक्षा से सीधे जुड़े हैं। छात्रों, शिक्षकों, मीडिया, रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशनों, नागरिक समाज संगठनों और अन्य सामाजिक समूहों की भूमिका इन कर्तव्यों के प्रचार-प्रसार में अत्यंत महत्वपूर्ण है। राष्ट्रपति ने कहा कि जन सहभागिता राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत बनाती है। देश में ऐसे अनेक उदाहरण हैं, जहां सतर्क नागरिकों द्वारा दी गई सूचनाओं से गंभीर सुरक्षा संकटों को टालने में मदद मिली। राष्ट्रीय सुरक्षा की आधुनिक अवधारणा में जनता को केंद्र में रखा जाना चाहिए। नागरिकों को केवल घटनाओं का दर्शक नहीं, बल्कि अपने आसपास और उससे आगे के क्षेत्रों की सुरक्षा में सक्रिय भागीदार बनना चाहिए। 'जन भागीदारी' जन-केंद्रित सुरक्षा की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि पुलिस और आंतरिक सुरक्षा एजेंसियों को सेवा-भाव के साथ कार्य करना होगा। जनता का विश्वास अर्जित करना जन-केंद्रित राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति की पूर्व शर्त है। विश्वास के बिना समुदाय की भागीदारी संभव नहीं है।

संपादकीय

भारत की न्यूजीलैंड से डील

अमेरिका को बड़ा झटका...
टैरिफ के मुद्दे पर ट्रंप पर बढ़ेगा दबाव

भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुक्त व्यापार समझौता हुआ है। यह भारतीय अर्थव्यवस्था को राहत देगा। अमेरिका के टैरिफ विवाद से बने नकारात्मक माहौल को दूर करने में मदद मिलेगी। वॉशिंगटन के साथ प्रस्तावित डील में भारत का पक्ष मजबूत होगा। न्यूजीलैंड के साथ व्यापार अगले पांच साल में दोगुना करने का लक्ष्य है।

अमेरिकी नीतियों की वजह से दबाव का सामना कर रही भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए न्यूजीलैंड के साथ हुआ मुक्त व्यापार समझौता राहत की खबर है। हाल में कई दूसरे देशों के साथ भी सहमति बनी है। ये समझौते अमेरिकी टैरिफ विवाद से बने नकारात्मक माहौल को दूर करने में तो मदद करेंगे ही, इनसे वॉशिंगटन के साथ प्रस्तावित डील में भी नई दिल्ली का पक्ष भारी रहेगा।

न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन की इस साल मार्च में भारत यात्रा के दौरान ट्रेड डील पर बात शुरू हुई थी। दोनों देशों के बीच व्यापारिक रिश्तों की औपचारिक शुरुआत भारत की आजादी के कुछ साल बाद ही हो गई थी, लेकिन द्विपक्षीय व्यापार अब भी बेहद कम है। 2023 में यह 1.75 अरब डॉलर था और पिछले साल 2.07 अरब डॉलर। ट्रेड एग्रीमेंट से व्यापार को अगले पांच साल में दोगुना करने का लक्ष्य तय किया गया है। साथ ही, सर्विसेज, गुड्स, इन्वेस्टमेंट में सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी है।

न्यूजीलैंड खेती में आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल के लिए जाना जाता है। ट्रेड डील से उसकी उन्नत कृषि तकनीक तक पहुंच आसान होगी। महत्वपूर्ण है कि डेयरी सेक्टर में कोई छूट नहीं दी गई है और केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने साफ किया है कि इस क्षेत्र में समझौता संभव नहीं। अमेरिका के साथ व्यापार समझौते में जिन वजहों से देर हो रही है, उनमें कृषि और डेयरी सेक्टर शामिल हैं।

हाल में भारत की तरफ से व्यापारिक समझौतों में तेजी आई है। पिछले हफ्ते ओमान के साथ व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता हुआ था। दोनों देश इसे तीन महीने के भीतर लागू करना चाहते हैं। इसके बाद ओमान को भारत का 99 प्रतिशत से ज्यादा निर्यात टैरिफ फ्री हो जाएगा। इसी तरह, दिसंबर की शुरुआत में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पूतिन की यात्रा के दौरान मॉस्को और नई दिल्ली ने द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाने पर सहमति जताई थी

भारत-अमेरिका के बीच ट्रेड एग्रीमेंट पर अब भी बातचीत जारी है। पीयूष गोयल ने वार्ता को अडवांस्ड स्टेज में बताया है। दोनों देश इसे जल्द अंजाम तक पहुंचाना चाहते हैं। इससे निर्यात क्षेत्र के साथ भारतीय शेयर बाजार को भी राहत मिलेगी। आशा है कि यूरोपीय यूनियन, इस्राइल, कनाडा के साथ भी प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते पर बात तेजी से आगे बढ़ेगी। इनसे भारतीय निर्यात में विविधता आएगी और विदेशी बाजारों में हमारे निर्यातकों की प्रतिस्पर्धी क्षमता बेहतर होगी।

छत्तीसगढ़ में धान खरीदी:इच्छा सरकार की,ब्रेकर प्रशासन ?

रवि सिंह
कोरिया,छत्तीसगढ़

- धान खरीदी नहीं,किसानों की परीक्षा ले रही है सरकार
- खरीदना चाहते हैं या खरीदने का नाटक?
- नीति कहती है हाँ,सिस्टम कहता है नहीं...
- प्रशासन ब्रेकर क्यों बना और किसके इशारे पर?
- 30 जनवरी 2026 के बाद जवाब मिलेगा या पर्दा गिरा दिया जाएगा?

छत्तीसगढ़ की राजनीति इन दिनों एक अजीब विरोधाभास से जूझ रही है, सरकार कहती है हम धान खरीदना चाहते हैं,विधायक कहते हैं हम किसानों के साथ खड़े हैं,फिर भी जमीनी सच्चाई यह है कि किसान टोकन के लिए लाइन में अटका है,लिमिट खत्म हो चुकी है,रकबा घटा है और पोर्टल 20 जनवरी 2026 तक फुल दिखा रहा है,सवाल यह नहीं कि धान खरीदी हो रही है या नहीं सवाल यह है कि जहां यह सबसे सहज होनी चाहिए,वहीं क्यों अटक रही है? शिकायतें एक-दो नहीं,कई हैं,रकबा घटा है,पर जोड़ा नहीं जा रहा,टोकन की कतार इतनी लंबी कि किसान टोकन तक नहीं ले पा रहा, केंद्रों पर लिमिट खत्म,पर समाधान नहीं,विधायक खुद मंत्री को फोन कर हालात सुधारने की गुहार लगा रहे हैं,अगर सरकार सचमुच खरीदना चाहती है,तो प्रशासन ब्रेकर क्यों बन रहा है? और अगर प्रशासन ब्रेकर है, तो उसे यह ब्रेकर बनने का अधिकार किसने दिया? यह प्रशासनिक सख्ती है, सिस्टम की नाकामी है, या कोई अदृश्य नीति-निर्देश?

कड़े सवाल,असहज सच

छत्तीसगढ़ में धान खरीदी आज नीति और नीयत के टकराव का सबसे बड़ा उदाहरण बन चुकी है, सरकार दावा करती है कि वह किसानों का एक-एक दाना खरीदना चाहती है, विधायक मंचों और बैठकों में यही रट दोहराते हैं, लेकिन ज़मीन पर तस्वीर ठीक उलट है, अगर सरकार सच में खरीदना चाहती है,तो किसान बेच क्यों नहीं पा रहा? यह सिर्फ अव्यवस्था नहीं है, यह व्यवस्थित अवरोध है,टोकन सिस्टम फुल है,पोर्टल 20 जनवरी 2026 तक बंद-सा पड़ा है,रकबा घटा दिया गया है और उसे जोड़ने की कोई तत्परता नहीं दिख रही। धान खरीदी केंद्रों पर लिमिट खत्म होने के बाद हालात ऐसे हैं कि विधायक खुद फोन घुमा-घुमाकर मंत्री और अफसरों से गुहार लगा रहे हैं, यह प्रशासनिक विफलता नहीं,प्रशासनिक जिद है, सबसे बड़ा सवाल यही है जब नीति खरीद की है,तो प्रशासन रोक क्यों रहा है? और अगर रोक रहा है, तो यह ताकत उसे किसने दी? क्या यह अफसरशाही का स्वतंत्र प्रयोग है? या फिर ऊपर से आया कोई ऐसा निर्देश, जिसे सार्वजनिक करने का साहस सरकार नहीं कर पा रही? धान खरीदी का समय तेज़ी से निकल रहा है। अब मुश्किल से एक महीना बचा है। 30 जनवरी को केंद्र बंद होंगे और तब सरकार के पास कहने को सिर्फ आँकड़े होंगे,जवाब नहीं।

जिन किसानों को टोकन नहीं मिला,जिनका रकबा अपडेट नहीं हुआ,जिनकी लिमिट खत्म बताकर लौटा दिया गया उनका हिसाब कौन देगा?

आज जो हो रहा है,उसका सबसे खतरनाक परिणाम यह है कि किसान मजबूरी में बिचौलियों के हाथ धान बेच रहा है,यह वही बिचौलिया है,जिसके खिलाफ वर्षों से भाषण दिए जाते रहे, आज वही बिचौलिया सिस्टम की खामियों का सबसे बड़ा लाभार्थी बन गया है, यह सवाल अब सिर्फ धान खरीदी का नहीं रहा,यह सवाल है, किसान किस पर भरोसा करे? सरकार के बयान पर या प्रशासन के ब्रेकर पर? अगर 30 जनवरी 2026 के बाद यह कहा गया कि इतना धान खरीदा गया, तो यह भी बताया जाना चाहिए कि कितना धान खरीदा ही नहीं गया और क्यों नहीं खरीदा गया। क्यों किसान लाइन में खड़ा रहा और सिस्टम सोता रहा। क्यों सत्ता पक्ष के विधायक भी असहाय दिखे? धान खरीदी योजना अगर किसान के लिए है,तो उसे किसान तक पहुँचना चाहिए,अगर वह पोर्टल, लिमिट,रकबा और आदेशों में दम तोड़ रही है, तो यह साफ संकेत है कि समस्या किसान में नहीं,सिस्टम में है, और सिस्टम की जवाबदेही तय किए बिना यह संकट खत्म नहीं होगा, आज चुप्पी साधना आसान है, लेकिन याद रखिए किसान की पीड़ा का हिसाब चुनावी भाषणों से नहीं, ज़मीनी जवाबों से देना पड़ता है।

उपभोक्ता जागरूकता से समृद्ध समाज की ओर

योगेश कुमार गोयल
नजफगढ़,नई दिल्ली

जागरूक होंगे, तभी मिलेगा इंसाफ

उपभोक्ताओं के विभिन्न हितों और उनके अधिकारों की सुरक्षा के लिए देश में प्रतिवर्ष 24 दिसम्बर को 'राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस' मनाया जाता है,जिसका मुख्य उद्देश्य उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना,उनके हितों के लिए बनाए गए उपभोक्ता संरक्षण अधिनियमों तथा उनके अंतर्गत आने वाले कानूनों की जानकारी देना है। दरअसल ऑनलाइन खरीददारी हो या ऑफलाइन,ग्राहकों को कई बार सामान की गड़बड़ी अथवा अन्य प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है और इसी तरह की समस्याओं से उन्हें निजात दिलाने तथा उपभोक्ता अधिकारों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से उपभोक्ता दिवस मनाया जाता है। हालांकि वर्ष 2020 तक विभिन्न ई-कॉमर्स साइटों से ऑनलाइन खरीददारी को लेकर उपभोक्ताओं को कोई संरक्षण प्राप्त नहीं था लेकिन उपभोक्ता संरक्षण कानून-2019 (कन्ज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट-2019) में ई-कॉमर्स को भी दायरे में लाकर उपभोक्ताओं को और मजबूती देने का प्रयास किया गया। पुराना उपभोक्ता संरक्षण कानून करीब सो` तीन दशक पुराना हो चुका था, जिसमें समय के साथ बड़े बदलावों की जरूरत महसूस की जा रही थी। इसीलिए ग्राहकों के साथ अक्सर होने वाली धोखाधड़ी को रोकने और उपभोक्ता अधिकारों को ज्यादा मजबूती प्रदान करने के लिए 20 जुलाई 2020 को 'उपभोक्ता संरक्षण कानून-2019'(कन्ज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट-2019) लागू किया गया, जिसमें उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की ठगी और धोखाधे ी से बचाने के लिए कई प्रावधान शामिल हैं। राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस वास्तव में उपभोक्ताओं को उनकी शक्तियों और अधिकारों के बारे में जागरूक करने का महत्वपूर्व अवसर है। भारत में उपभोक्ता आन्दोलन की शुरूआत मुम्बई में वर्ष 1966 में हुई थी। तत्पश्चात् पुणे में वर्ष 1974 में ग्राहक पंचायत की स्थापना के बाद कई राज्यों में उपभोक्ता कल्याण के लिए अधिकार,उपभोक्ता शिक्षा का अधिकार के तहत अनुचित व्यापार प्रथाओं और शोषण के खिलाफ न्याय का अधिकार शामिल हैं। जहां तक उपभोक्ता की जिम्मेदारियां की बात है तो उपभोक्ताओं को चाहिए कि वे संस्थाओं का गठन किया गया। इस प्रकार उपभोक्ता हितों के संरक्षण की दिशा में यह आन्दोलन आगे बढ़ता गया। तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पहल पर 9 दिसम्बर 1986 को उपभोक्ता संरक्षण विधेयक पारित किया गया, जिसे राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बार 24 दिसम्बर 1986 को देशभर में लागू किया गया। पिछले कई वर्षों से भारत में प्रतिवर्ष इसी दिन राष्ट्रीय उपभोक्ता संरक्षण दिवस मनाया जा रहा है। यह दिवस मनाए जाने का मूल उद्देश्य यही है कि उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाए और अगर वे धोखाधड़ी, कालाबाजारी, घटतौली इत्यादि के शिकार होते हैं तो वे इसकी शिकायत उपभोक्ता अदालत में कर सकें।

उपभोक्ता संरक्षण कानून में स्पष्ट उल्लेख है कि प्रत्येक वह व्यक्ति उपभोक्ता है,जिसने किसी वस्तु या सेवा के क्रय के बदले धन का भुगतान किया है या भुगतान करने का आश्वासन दिया है और ऐसे में किसी भी प्रकार के शोषण अथवा उत्पी न के खिलाफ वह अपनी आवाज उठा सकता है तथा क्षतिपूर्ति की मांग कर सकता है। खरीदी गई किसी वस्तु, उत्पाद अथवा सेवा में कमी या उसके कारण होने वाली किसी भी प्रकार की हानि के बदले उपभोक्ताओं को मिला कानूनी संरक्षण ही उपभोक्ता अधिकार है। यदि खरीदी गई किसी वस्तु या सेवा में कोई कमी है या उससे आपको कोई नुकसान हुआ है तो आप उपभोक्ता फोरम में अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम ने उपभोक्ताओं को छह प्रमुख अधिकार प्रदान किए हैं,जिनमें सुरक्षा का अधिकार के तहत खतरनाक वस्तुओं और सेवाओं से बचाव का अधिकार,सूचना का अधिकार के तहत वस्तुओं और सेवाओं की गुणवत्ता, मात्रा, शुद्धता और कीमत की सही जानकारी का अधिकार, विकल्प का अधिकार के तहत प्रतिस्पर्धात्मक कीमतों पर वस्तुओं और सेवाओं का चयन का अधिकार, सुने जाने का अधिकार के तहत उपभोक्ता की शिकायतों और समस्याओं पर ध्यान दिया जाना का अधिकार, निवारण का अधिकार के तहत उपभोक्ता की शिकायतों और समस्याओं पर ध्यान दिया जाना का खरीदारी से पहले उत्पाद की गुणवत्ता और वैधता की जांच करें, नकली और घटिया उत्पादों से बचने के लिए प्रमाणित ब्रांड्स को ही प्राथमिकता दें,अपनी शिकायतों को दर्ज कराने में सक्रिय रहें, जागरूकता फैलाने में योगदान दें। अगर उपभोक्ताओं का शोषण होने और ऐसे मामलों में उनके द्वारा उपभोक्ता अदालत की शरण लिए जाने के बाद मिले न्याय के कुछ मामलों पर नजर डालें तो स्पष्ट हो जाता है कि उपभोक्ता अदालतों का उपभोक्ताओं के हितों के संरक्षण में क्या योगदान है। दरअसल विभिन्न छोटी-बड़ी समस्याओं का सामना जीवन में कभी न कभी हम सभी को करना पढ़ता है लेकिन अधिकांश लोग अपने अधिकारों की लड़ाई नहीं लड़ते। इसका प्रमुख कारण यही है कि देश की बहुत बड़ी आबादी अशिक्षित है,जो अपने अधिकारों और कर्त्तव्यों के प्रति अनभिज्ञ है। हालांकि जब शिक्षित लोग भी अपने उपभोक्ता अधिकारों के प्रति उदासीन नजर आते हैं तो हैरानी होती है। यदि आप एक उपभोक्ता हैं और किसी भी प्रकार के शोषण के शिकार हुए हैं तो अपने अधिकारों की लड़ाई लड़कर न्याय पा सकते हैं। कोई वस्तु अथवा सेवा लेते समय हम धन का भुगतान तो करते हैं पर बदले में उसकी रसीद नहीं लेते। शोषण से मुक्ति पाने के लिए सबसे जरूरी है कि आप जो भी वस्तु, सेवा अथवा उत्पाद खरीदें, उसकी रसीद अवश्य लें। यदि आपके पास रसीद के तौर पर कोई सबूत ही नहीं है तो आप अपने मामले की पैरवी सही ढंग से नहीं कर पाएंगे। पिछले कुछ वर्षों में ऐसे अनेक मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें उपभोक्ता अदालतों से उपभोक्ताओं को पूरा न्याय मिला है लेकिन आपसे यह अपेक्षा तो होती ही है कि आप अपनी बात अथवा दावे के समर्थन में पर्याप्त सबूत तो पेश करें। उपभोक्ता अदालतों की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि इनमें लंबी-चौड़ी अदालती कार्रवाई में पड़े बिना ही आसानी से शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। यही नहीं,उपभोक्ता अदालतों से न्याय पाने के लिए न तो किसी प्रकार के अदालती शुल्क की आवश्यकता पड़ती है और मामलों का निपटारा भी शीघ्र होता है।

आनंदमय विद्यालय निर्माण के लिए सामूहिक चेतना आवश्यक

प्रमोद दीक्षित मलय
बाँदा,उत्तरप्रदेश

प्राथमिक शिक्षा में काम करते हुए मुझे 30 वर्ष होने को हैं। इन तीस वर्षों में शैक्षिक एवं सामाजिक परिवेश में हुए परिवर्तन का साक्षी रहा हूँ। ब्लैकबोर्ड से स्मार्टबोर्ड तक, टाट-पट्टी से चेयर-बेंच तक, चॉक-खड़िया से मार्कर और स्केच पेन तक तथा पंजिकाओं से टैबलेट एवं कम्प्यूटर तक हुए बदलाव से विद्यालयी परिवेश में बेहतरी हुई है, किंतु विद्यालय और समुदाय के बीच दूरी भी बढ़ती गयी है और समाज के एक महत्वपूर्ण नेतृत्व कर्ता शैक्षिक,सामाजिक एवं साँस्कृतिक केंद्र के रूप में विद्यालय की पहचान में कमी आई है। परंतु सर्जना के रास्ते बंद नहीं हुए हैं,कभी बंद होते भी नहीं। अभी भी बहुत सकारात्मक बदलाव होने आवश्यक है,वह है सामूहिक मनोवृत्ति में बदलाव, शिक्षकों की शैक्षिक एवं गैर-शैक्षिक कार्यों के दबाव से मुक्ति और विद्यालयों के प्रति सामाजिक दृष्टि में रचनात्मक बदलाव। यह कैसे होगा,चिंतन-मनन और क्रियान्वयन आवश्यक है।

प्राथमिक विद्यालय से लेकर संकुल और बीआरसी स्तर तक काम किया है। इन वर्षों में विद्यालय को लेकर शिक्षक, विद्यार्थी,समाज और अधिकारी वर्ग की दृष्टि, सोच एवं कल्पना को समझने का अवसर मिला। इनमें से प्रत्येक वर्ग विद्यालय को बेहतर बनाना चाहता है। किंतु, विद्यालय बेहतर बनाने की दृष्टि,कल्पना एवं कार्य योजना अलग-अलग हैं। विभागीय अधिकारियों की दृष्टि में सरकार द्वारा प्रेषित धनराशि का उचित उपभोग कर आवश्यक संसाधन जुटा विद्यालयों को आकर्षक बना 6 से 14 आयु वर्ग के बच्चों को विद्यालय से जोड़ने, उनकी नियमित उपस्थिति एवं ठहराव सुनिश्चित करने और न्यूनतम अधिगम क्षमता की सम्प्राप्ति होने,बच्चों तक सुविधाओं की पहुँच होने का विचार वरीयता में है। वहीं अभिभावक चाहते हैं कि विद्यालयों में बेहतर पढ़ाई-लिखाई का वातावरण तैयार हो ताकि उनके पाल्यों को समुचित शिक्षा-संस्कार मिल सके और वे एक अदद नौकरी लायक तैयार हो पाएँ। विद्यार्थी वर्ग की इच्छा है कि पढ़ाई के साथ खेलने-कूदने के भरपूर मौके सुलभ हों,उन पर रोक-टोक न हो। वहीं शिक्षक चाहते हैं कि विद्यालय समय अवधि में बच्चों के साथ सार्थक समय गुजारें, उनको पढ़ने-पढ़ाने हेतु समय एवं संतुष्टि मिले। परंतु तमाम गैर-शैक्षणिक कार्यों में ड्यूटी के कारण अध्यापन कर्म की नियमितता बाधित होती है। किंतु, यह भी सच है कि शिक्षकों में विद्यालय में बहुत बड़ा बदलाव करने का भाव नहीं दिखता, क्योंकि उनकी अपनी सीमाएँ हैं। लेकिन इन्हीं में से कुछ ऐसे शिक्षक,अधिकारी एवं अभिभावक हैं जो विद्यालय के प्रति एक बिलकुल अलग नजरिया रखते हैं। वे कुछ अलग सोचते हुए सीखने-सिखाने के नये रास्ते खोजते हैं।

वे विद्यालय को ऐसी जगह के रूप में देखते हैं जहाँ विद्यार्थियों को अपने ज्ञान निर्माण के लिए बाधारहित प्रेरक बाल मैत्रीपूर्ण स्थान मिले,जहाँ परस्पर संवाद से पढ़ने-लिखने एवं ज्ञान अर्जन के नये रास्ते खुलें,जहाँ सामूहिकता का भाव पनपे,जहाँ लोकतांत्रिक मूल्य विकसित हों। समग्रता में कहें तो विद्यालय में आनंदमय परिवेश की निर्मिति हो। यह तभी सम्भव है जब शिक्षक को काम करने की स्वतंत्रता हो,कल्पना के क्रिया न्वयन के सहज अवसर और उसकी सराहना-स्वीकृति हो। समुदाय में विद्यालय के प्रति श्रद्धा एवं आत्मीयता का भाव हो। लेकिन दुर्भाग्य से ऐसा होता दिखता नहीं, क्योंकि पूरी व्यवस्था एक निश्चित प्रक्रिया के अधीन तय साँचे में संचालित है। कार्यों के बोझ तले दबे व्यक्ति से रचनात्मकता की आशा निरर्थक है। रचनात्मकता की अभिव्यक्ति के लिए स्वतंत्रता, आत्मीयता एवं मधुरता का भाव आवश्यक है। तमाम चुनौतियों एवं बाधाओं से जूझते हजारों शिक्षक-शिक्षिकाएँ अपने विद्यालयों में खुशियों भरा वातावरण बनाकर बच्चों के साथ काम कर रहे हैं। शिक्षक एवं विद्यार्थियों के बीच मधुर एवं आत्मीयतापूर्ण सम्बंध बने हैं, जहाँ बच्चों के लिए अभिव्यक्ति के अनुकूल अवसर हैं। उनमें डर-भय नहीं है, प्रेमभरा स्वानुशासन है। कहीं-कहीं समुदाय भी साथ खड़ा दिखाई देता है। पर ये उदाहरण अँगुलियों पर गिनने लायक ही हैं, क्योंकि शिक्षक एवं समुदाय के मन में विद्यालय को लेकर बनी आम समझ सतही एवं नीरस है। स्मरणीय है, शिक्षकों एवं समाज को मिलकर बेहतर समझ के साथ ही बड़े परिवर्तन आनंदमय विद्यालय रचना की ओर बढ़ा जा सकता है।

ईंट, सीमेंट,लकड़ी एवं लोहा से निर्मित और आकर्षक पुता-लिपा भवन एवं अन्य संसाधन एकत्रित कर लेना भर विद्यालय होना नहीं है। मुझे लगता है कि विद्यालय एक जीवंत इकाई है। विद्यालय का भवन यदि शरीर है तो बच्चे प्राण हैं और बिना प्राण के देह मृत है, निष्प्राण है। बच्चे ही विद्यालय हैं। किसी विद्यालय परिसर में गूँजता बच्चों का कलरव विद्यालय का स्पंदन बनता है। बच्चों की दौड़-भाग और अन्यान्य गतिविधियाँ विद्यालय को सचेतन करती हैं। बच्चों की उपलब्धियाँ ही रोपे गये फूलों की सुगंध बन बिखरने लगती है। बच्चों का कार्य-व्यवहार उन्हें घर-परिवार एवं समाज में एक आदर्श पहचान देता है, तब विद्यालय गर्व करता है। विद्यालय हर्ष से खिल उठता है, क्योंकि विद्यालय के प्रति तब समाज में आदर एवं आत्मीयता का निर्झर बहने लगता है। किंतु बिना समुदाय के सहयोग एवं अपनेपन के भाव से कोई विद्यालय कभी भी जीवन प्राप्त नहीं कर सकता। जब शिक्षक, शिक्षार्थी और समुदाय साथ-साथ हँसते-गाते चलने लगते हैं तो विद्यालय आनंदघर बनने लगता है। आनंदघर विद्यालय एक ऐसी परिकल्पना है जहाँ बच्चे अपनी सर्जना का उत्सव मना सकें, जहाँ वे अपनी स्थानीयता के साथ कदमताल करते हुए हर पल कुछ नया सीखें-समझें, कुछ नया रचें-बुनें। जहाँ वे खुशी-खुशी चहकते हुए आना चाहें। जहाँ संवाद से शिक्षा का रास्ता खुले, जहाँ कक्षाओं के ब्लैकबोर्डों में पाठ्य-पुस्तकों के निश्चित प्रश्नोत्तर नहीं बल्कि बच्चों के अनुभव शब्द बन अंकित हो जायें। जहाँ विद्यालय सम्बंधित निर्णयों में बच्चों की भागीदारी हो, उनसे जाना जाये कि वे क्या चाहते हैं, क्योंकि व्यवस्था तो उन्हीं के लिए की जाने वाली है। कह सकते हैं,विद्यालय एक ऐसा स्थान बनें जहाँ बच्चों में उत्साह, उल्लास एवं उमंग की भाव त्रिवेणी प्रवहमान हो। जहाँ न दण्ड हो न पुरस्कार। त्रुटियों-गलतियों में डाँट नहीं, सुधार के सहज समन्वित प्रयास हों। विद्यालय के दुःख-सुख में सब सहभागी हों।

मेरा विचार है, आनंदमय विद्यालय निर्माण के लिए सामूहिक चेतना अत्यावश्यक है। यह एक पक्षीय एवं व्यक्तिगत प्रयास से नहीं बल्कि समवेत ऊर्जा के समन्वित प्रयत्न से ही सम्भव होगा। तभी आनंदघर विद्यालय निर्माण का स्वप्न पूर्ण हो धरातल पर साकार हो सकेगा।

अपराध नाबालिगों का,जवाबदेही मां पर?

बदायूं की गिरफ्तारी से उठते अहम सवाल

-अभिषेक पाण्डेय-

बदायूं में छेड़छाड़ के आरोपी नाबालिगों की माओं की गिरफ्तारी पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाती है। पुलिस ने माता-पिता की जिम्मेदारी न निभाने पर माओं को गिरफ्तार कर निजी मुचलके पर छोड़ा, जो मोरल पुलिसिंग का उदाहरण है। यह कार्रवाई शक्ति का दुरुपयोग और गलत नजीर पेश करती है। बदायूं में एक लड़की से छेड़छाड़ के आरोपी नाबालिगों की मांओं की गिरफ्तारी पुलिस की कार्यशैली पर कई सवाल खड़े करती है। छेड़छाड़ की घटना गंभीर अपराध है, लेकिन इससे पुलिस को नैतिकता का पाठ पढ़ाने का अधिकार नहीं मिल जाता। उसका काम कानून का पालन करना है, इसकी अपने हिसाब से व्याख्या करना नहीं। यह घटना बदायूं के उसहैत थाने की है। पीड़िता कक्षा 8 में पढ़ती है और आरोप है कि गांव के ही कुछ बच्चे उसे परेशान कर रहे थे। आरोपी बच्चों की उम्र 13 साल से कम है, तो पुलिस ने उनकी मांओं को गिरफ्तार कर लिया और फिर निजी मुचलके पर छोड़ा। SHO का कहना है कि आरोपी बच्चों के पिता बाहर नौकरी करते हैं और वापस आने पर उन्हें भी गिरफ्तार किया जाएगा। पुलिस अपनी कार्रवाई के पीछे तर्क बता रही है कि अच्छे संस्कार देना माता-पिता की जिम्मेदारी है। इस मामले में पैरेंट्स ने यह जिम्मेदारी नहीं निभाई, इसलिए उन्हें सजा भुगतनी होगी। बदायूं पुलिस ने जो किया, वह दरअसल मोरल पुलिसिंग है। पुलिस का काम कानून-व्यवस्था बनाए रखना है, किसी को नैतिकता का पाठ पढ़ाना या दंड के भय से सामाजिक सुधार लाना नहीं। पुलिस नहीं तय कर सकती कि कोई अपने बच्चों को कैसे पालेगा।

सुविचार

लोग तो कहने वाले कुछ भी कह जायेगे कल आपकी बुराई करने वाले आज तारीफ़ भी कर देगें।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

-सम्पादक

खनन के खिलाफ साझा मंच का 16 जनवरी को सरगुजा में बड़ा आंदोलन

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,23 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ के प्राकृतिक संसाधनों पर बढ़ते औद्योगिक दबाव और जंगलों की अनियंत्रित कटाई के खिलाफ राज्य के विभिन्न जन-संगठनों ने एकजुट होने का निर्णय लिया है। सोमवार को सरगुजा संभाग के अंबिकापुर में आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में प्रदेश के जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए एक 'साझा मंच' का गठन किया गया।

इस बैठक में रायगढ़,खैरागढ़,कोरबा और सरगुजा जैसे क्षेत्रों में चल रहे स्थानीय विरोध प्रदर्शनों को एक राष्ट्रीय पहचान देने और सरकार की कथित 'जनविरोधी' नीतियों के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ने की रणनीति तैयार की गई।

विभिन्न आंदोलनों की एकजुटता उद्योगपतियों के खिलाफ मोर्चाबंदी

बैठक का मुख्य उद्देश्य राज्य के अलग-अलग हिस्सों में बिखरे हुए जन-आंदोलनों को एक सूत्र में पिरोना था। इसमें कोल ब्लॉक,बॉक्साइट खदान, लाइम स्टोन और सीमेंट प्लांट जैसी परियोजनाओं से प्रभावित ग्रामीणों और किसानों ने हिस्सा लिया। शामिल प्रतिनिधियों का कहना है कि सरकार और प्रशासन उद्योगपतियों के मुनाफे के लिए किसानों की उपजाऊ भूमि और आदिवासियों के पारंपरिक जंगलों का बेतहाशा दोहन कर रहे हैं। आंदोलनकारियों ने स्पष्ट किया कि अब वे अपनी मांगों को मनवाने के लिए चरणबद्ध तरीके से पूरे प्रदेश में विरोध का बिगुल फूंकेंगे।

16 जनवरी को सरगुजा में प्रदेश स्तरीय शक्ति प्रदर्शन...

साझा मंच ने अपने विरोध कार्यक्रम की पहली बड़ी तारीख का एलान कर दिया है। आगामी 16 जनवरी को सरगुजा में एक विशाल प्रदेश स्तरीय आंदोलन किया जाएगा। इस आंदोलन का नेतृत्व 'हसदेव बचाओ समिति' के आलोक शुक्ला और आदिवासी नेता भानू प्रताप सिंह करेंगे। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि जल,जंगल और जमीन की रक्षा के लिए अब केवल स्थानीय स्तर पर नहीं,बल्कि राजधानी तक आवाज बुलंद की जाएगी। यह प्रदर्शन सरकार को यह बताने के लिए होगा कि विकास के नाम पर पर्यावरण का विनाश अब स्वीकार्य नहीं है।

जबरन भूमि अधिग्रहण और जनसुनवाई का विरोध

खैरागढ़ और कोरबा से आए प्रतिनिधियों ने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए। खैरागढ़ के रमाकांत बंजारे ने बताया कि उनके क्षेत्र के पांच गांवों में लाइम स्टोन खदान के लिए तीन फसली (उपजाऊ) जमीन ली जा रही है, जिसका किसान पुरजोर विरोध कर रहे हैं। वहीं, कोरबा के दीपक साहू ने आरोप लगाया कि प्रदेश में 'तानाशाही' रवैये के साथ मनमाने ढंग से जमीनों का अधिग्रहण किया जा रहा है। किसानों का कहना है कि उनकी आजीविका का एकमात्र साधन उनकी जमीन है, जिसे वे किसी भी कीमत पर उद्योगपतियों के हवाले नहीं करेंगे।

जंगलों की कटाई और संवैधानिक अधिकारों का हनन

आदिवासी नेता भानू प्रताप सिंह ने पेड़ों की कटाई पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि 16 जनवरी के धरने में मुख्य मांग जंगलों की कटाई पर तत्काल रोक लगाने की होगी। वहीं, 'छत्तीसगढ़ बचाओ संघर्ष समिति' के आलोक शुक्ला ने आरोप लगाया कि अनुसूचित क्षेत्रों में संवैधानिक अधिकारों, विशेष रूप से ग्राम सभाओं की शक्तियों का हनन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रशासन ग्राम सभाओं की अवहेलना कर कॉर्पोरेट जगत के हितों के लिए काम कर रहा है, जो कि लोकतंत्र और आदिवासियों के अधिकारों के खिलाफ है।

फर्जी प्रस्तावों और दमनात्मक कार्रवाई पर रोक की मांग

मंच के नेताओं ने सरकार से मांग की है कि फर्जी ग्राम सभा प्रस्तावों के आधार पर पेड़ों की कटाई और खनन गतिविधियों को तत्काल बंद किया जाए। आरोप है कि पुलिस और प्रशासन का उपयोग कर कॉर्पोरेट घरानों के लिए रास्ता साफ किया जा रहा है और विरोध करने वाले ग्रामीणों पर दमनात्मक कार्रवाई की जा रही है। साझा मंच ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने अपनी नीतियां नहीं बदलीं और आदिवासियों व किसानों के हितों की रक्षा सुनिश्चित नहीं की, तो यह आंदोलन आने वाले समय में और अधिक उग्र होगा।

खेती की जमीन बचाने के लिए परिवार के सदस्यों ने राष्ट्रपति से मांग इच्छा मृत्यु

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,23 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

ग्राम बटाईकेला के एक किसान परिवार ने अपने जीवन और खेती की जमीन बचाने के लिए राष्ट्रपति से इच्छा मृत्यु की अनुमति मांगी है। केवला बाई पति चक्त के परिवार के 12 सदस्य पिछले 70 वर्षों से खसरा नंबर 1784 पर खेती-किसानी कर अपना जीवन यापन कर रहे हैं। यह भूमि सरकारी रिकॉर्ड में शासकीय दर्ज है, लेकिन यह भूमि उनके पूर्वजों की मेहनत से कृषि योग्य बनाई गई थी। ग्राम पंचायत ने बिना किसी पूर्व सूचना या ग्रामसभा की अनुमति के इस भूमि पर आंगनवाड़ी निर्माण का कार्य शुरू कर दिया है। आरोप है कि यह निर्माण सरपंच,सचिव और टेंडर धारक के बीच मिलीभगत से हो रहा है। इसके अलावा,सरपंच बीरेंद्र गुप्ता पर भी आरोप है कि उन्होंने शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा कर लिया है, लेकिन प्रशासन ने इस पर कोई कार्रवाई नहीं की। केवला बाई के परिवार में 12 सदस्य हैं,जिनमें से 4 सदस्य विकलांग हैं। इसमें दो दृष्टिहीन, एक शारीरिक विकलांग और एक मानसिक अस्वस्थ सदस्य है। परिवार का कहना है कि यदि उनकी खेती की भूमि छीन ली जाती है तो उनका जीवन संकट में पड़ जाएगा और वे अपनी आजीविका के लिए संघर्ष करेंगे। इस स्थिति से मानसिक उत्पीडन का सामना कर रहे केवला बाई और उनके परिवार ने राष्ट्रपति से इच्छा मृत्यु की अनुमति देने की अपील की है, ताकि वे इस मानसिक पीड़ा से मुक्त हो सकें।

बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ हो रहे अत्याचारों के खिलाफ बजरंग दल का विरोध प्रदर्शन

संवाददाता-
अम्बिकापुर,23 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ हो रहे अत्याचारों के खिलाफ मंगलवार को सडक़ों पर उतरकर विरोध जताया। इस दौरान, कार्यकर्ताओं ने बांग्लादेश के प्रधानमंत्री यूनुस खान का पुतला दहन किया और सरकार से बांग्लादेश के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। विरोध प्रदर्शन में सर्व हिंदू समाज के लोग भी शामिल हुए, जिन्होंने एकजुट होकर रैली निकाली और अपने विरोध को तीव्रता से व्यक्त किया। भाजपा नेता दिनेश शुक्ला ने इस विरोध में भाग लिया और बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हो रहे अत्याचारों की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि यह अत्याचार अस्वीकार्य हैं और बांग्लादेश सरकार को हिंदू समुदाय की सुरक्षा के लिए कदम उठाने चाहिए। विरोध प्रदर्शन में शामिल लोगों ने मांग की कि भारत सरकार को बांग्लादेश के खिलाफ कड़ा कदम उठाते हुए वहां हिंदू समुदाय के अधिकारों की रक्षा के लिए दबाव डालना चाहिए। प्रदर्शनकारियों ने यह भी कहा कि यदि बांग्लादेश में हिंदू समुदाय को सुरक्षा नहीं मिलती, तो भारत सरकार को इस मुद्दे पर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आवाज उठानी चाहिए।

घटिया रिपेयरिंग मामले में निलंबन,ठंड में डामर से हुई सडक़ों की खराब हालत

संवाददाता-
अम्बिकापुर,23 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।

सदर रोड स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग पर बीटी पैच रिपेयरिंग के घटिया काम की वजह से एक विवाद खड़ा हो गया है। 19 दिसंबर की रात को इस सडक़ पर रिपेयरिंग का काम हुआ था, लेकिन अगले ही दिन, 20 दिसंबर की सुबह सडक़ों के उखडऩे की खबर सामने आई। जब निगम के सफाई कर्मचारी मौके पर पहुंचे, तो उन्होंने देखा कि सडक़ों का डामर उखड़ चुका था। इसके बाद सफाई कर्मियों ने बेल्चे से डामर उठाकर ले लिया, और इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो वायरल होने के बाद, इंजीनियर इन चीफ (ईएनसी) रायपुर ने मामले को गंभीरता से लिया और लोक निर्माण विभाग के राष्ट्रीय राजमार्ग के सब-इंजीनियर नवीन सिन्हा को निलंबित कर दिया। विभाग ने बताया कि यह रिपेयरिंग काम कड़ाके की ठंड में किया गया था, जहां तापमान 4-5 डिग्री सेल्सियस था। इसके बावजूद सडक़ों पर डामर डाला गया, और इस कारण सडक़ कुछ ही घंटों में उखड़ गई। विभाग ने तकनीकी खराबी का हवाला देते हुए बताया कि रोड रोलर की खराबी के कारण यह समस्या आई। यह घटना खासकर शहरवासियों के लिए चिंता का कारण बनी हुई है, क्योंकि शहर से गुजरने वाली अन्य सडक़ों की हालत भी खस्ता है। देवीगंज रोड, महामाया चौक और सदर रोड पर सडक़ों की हालत बहुत खराब हो चुकी है। वहीं, इस काम के लिए करीब ढाई करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए थे। स्थानीय निवासियों ने रिपेयरिंग कार्य का विरोध भी किया था।

निर्वाचक नामावलियों का विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत प्रारूप मतदाता सूची का हुआ प्रकाशन

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने राजनीतिक दलों की बैठक लेकर दी जानकारी

22 जनवरी तक लिए जाएंगे दावा-आपति,मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 21 फरवरी को

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,23 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।

भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली के निर्देशानुसार निर्वाचक नामावलियों का विशेष गहन पुनरीक्षण अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के संदर्भ में निर्धारित कार्यक्रम अनुसार प्रारूप मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन मंगलवार 23 दिसंबर 2025 को किया गया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अजीत वसंत ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को जिले में संपादित विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की जानकारी

दी। उन्होंने बताया कि एसआईआर कार्यक्रम के अनुसार प्रारूप (ड्रॉफ्ट) मतदाता सूची आज 23 दिसम्बर 2025 को प्रकाशित की जा रही है। दावा एवं आपत्ति अवधि 23 दिसम्बर से 22 जनवरी 2026 तक निर्धारित है, जिसमें पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ने तथा अपात्र नाम कटाने के लिए आवेदन किया जा सकता है। मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 21 फरवरी को किया जाएगा।

उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि मतदाता सूची के प्रारंभिक प्रकाशन अनुसार जिले में कुल मतदाता 05 लाख 98 हजार 492 है, जिनमें से 02 लाख 99 हजार 614 पुरुष मतदाता एवं 02 लाख 98 हजार 862 महिला मतदाता तथा 16 तृतीय लिंग के मतदाता है। ऐसे नागरिक जिनकी उम्र 01 जनवरी 2026 को या उससे पहले 18 साल पूर्ण कर लिया गया है तथा जिनका नाम वर्तमान में किसी कारणवश मतदाता सूची में दर्ज नहीं करा पाया है। वे अपना नाम मतदाता सूची में जोड़ने हेतु फार्म 6 में आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

विदेश में रहने वाले वोटर द्वारा इलेक्टोरल रोल में शामिल करने के लिए फार्म 6।, मौजूदा इलेक्टोरल रोल में नाम शामिल करने/हटाने के प्रस्ताव पर आपत्ति के लिए वोटर एप्लीकेशन फॉर्म 7, कोई मतदाता अपने नाम एवं अन्य किसी प्रकार का संशोधन या पते में परिवर्तन करना चाहते हैं वे फार्म-8 के माध्यम से आवेदन प्रस्तुत कर सकते है। एप्लीकेशन फॉर्म अपने क्षेत्र के बूथ लेवल ऑफिसर के पास जमा कर सकते हैं या ECINET मोबाइल एप या http://voters. eci. gov.in के माध्यम से भी जमा कर सकते हैं। प्रारूप मतदाता सूची का अवलोकन सीईओ छत्तीसगढ़ कीवेबसाइट http://ceochhattisgarh.nic.in पर कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि आयोग के निर्देशानुसार मतदान केन्द्रों के युक्तियुक्तकरण करने के पश्चात् जिले में मतदान केंद्रों की संख्या 876 है। पूर्व में मतदान केंद्र की संख्या 782 थी, जिसमें 94 की वृद्धि हुई है। बैठक में उपजिला निर्वाचन अधिकारी श्री सुनील नायक, सर्व एसडीएम सहित राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

पुराना बस डिपो में बनेगा 10 लाख लीटर क्षमता का नवीन उच्च स्तरीय जलागार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,23 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।

निगम क्षेत्र के पुराना बस डिपो में स्वीकृत 10 लाख लीटर क्षमता के नवीन उच्च स्तरीय जलागार कार्य का मंगलवर को भूमि पूजन महापौर मंजूषा भगत द्वारा किया गया। उक्त कार्य हेतु अधोसंरचना मद से 107.76 लाख रुपए राशि की स्वीकृति प्रदान की गई है। उपरोक्त पानी टंकी को भरने हेतु राइजिग मेन पाइप लाइन विस्तारीकरण कार्य हेतु मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजनान्तर्गत राशि 73.84 लाख रुपए की स्वीकृति भी प्रदान की गई है, जिसका

कार्यादेश जारी किया जा चुका है। उपरोक्त पानी टंकी का कार्य पूर्ण हो जाने के उपरांत निकाय के पेयजल संकटग्रस्त शीतला वार्ड क्रमांक 32, रामानुज वार्ड क्रमांक 33, ब्रम्ह वार्ड क्रमांक 34, स्वामी विवेकानंद वार्ड क्रमांक 35 एवं अग्रसेन वार्ड क्रमांक 38 के वार्डवासियों को आवश्यकता के अनुरूप पेयजल की आपूर्ति की जा सकेगी। उक्त अवसर पर निगम सभापति हरमिन्दर सिंह (टिन्नी), महापौर परिषद के सदस्य जितेन्द्र सोनी, पार्षद आलोक दुबे, संबंधित क्षेत्रों के पार्षद राहुल त्रिपाठी, सुषमा रोचक गुप्ता, शैलेष प्रताप सिंह, अनिता रविन्द्र गुप्ता 'भारती', प्रियंका गुप्ता, आकाश गुप्ता, रविन्द्र गुप्त 'भारती, मनोज गुप्ता, विकास गुप्ता एवं अन्य वार्डवासी सहित नगर निगम के कार्यपालन अभियन्ता, सहायक अभियन्ता तथा उप अभियन्ता, निकाय के अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज में नए स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की शुरुआत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,23 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।

शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 से नया स्नातकोत्तर प्रबंधन पाठ्यक्रम (एमबीए) शुरू करने की स्वीकृति प्राप्त की है। कॉलेज के प्राचार्य, डॉ. आरएन खरे ने बताया कि इस पाठ्यक्रम की प्रवेश क्षमता 30 सीटों की होगी। यह स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम विशेष रूप से कार्यरत पेशेवरों को ध्यान में रखते हुए शुरू किया जा रहा है। इसके साथ ही, कॉलेज में स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर कुछ तकनीकी पाठ्यक्रमों की भी स्वीकृति दी गई है। इसमें एमटेक के अंतर्गत स्टक्चरल इंजीनियरिंग, पावर सिस्टम एवं कंट्रोल तथा माइनिंग इंजीनियरिंग विषयों में पाठ्यक्रमों को स्वीकृति मिली है। इसके अलावा, बीटेक के तहत सिविल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और माइनिंग इंजीनियरिंग जैसे पाठ्यक्रम भी चलाए जाएंगे।

इन पाठ्यक्रमों की शुरुआत से सरगुजा अंचल के विभिन्न सरकारी विभागों और तकनीकी संस्थानों में कार्यरत पेशेवरों को लाभ होगा। विशेष रूप से, लोक निर्माण विभाग,भारत संचार निगम लिमिटेड, सिंचाई विभाग और पॉलिटेक्निक महाविद्यालयों के व्याख्याताओं, माइनिंग इंजीनियरों और अन्य तकनीकी कार्मिकों को अपने कार्यस्थल के पास ही उच्च शिक्षा प्राप्त करने का एक सुलभ और प्रभावी अवसर मिलेगा।

रासेयो के छात्र-छात्राओं को नशा मुक्ति यातायात के संबंध में किया गया जागरूक

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,23 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा राजेश अग्रवाल के मार्गदर्शन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सरगुजा अमोलक सिंह ढिल्लो के नेतृत्व में सरगुजा पुलिस एवं नवा बिहान नशामुक्ति जागरूकता अभियान एवं परामर्श केंद्र सरगुजा के द्वारा निरंतर यातायात,नशामुक्ति एवं साइबर अपराध विषय पर जन समुदाय को जागरूक किया जा रहा है। पार्वती इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रेनिंग रिसर्च एण्ड मैनेजमेंट बीएड कॉलेज के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा आयोजित सात दिवसीय शिविर ग्राम पंचायत भवन चटिरमा में बौद्धिक परिचर्चा के तहत् मुख्य अतिथि उप निरीक्षक अभय तिवारी विशिष्ट अतिथि संयोजक नवा बिहान नशामुक्ति जागरूकता अभियान एवं परामर्श केंद्र सरगुजा सह निर्देशक चिराग सोशल वेलफेयर सोसायटी अम्बिकापुर के आतिथ्य में नशामुक्ति यातायात एवं व्यक्तित्व विकास विषय पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि उप निरीक्षक अभय तिवारी ने छात्र -छात्राओं को यातायात के प्रावधानों के संबंध में आंकड़ों सहित रोचक ढ़ंग से जानकारी दिया। विशिष्ट अतिथि संयोजक नवा बिहान मंगल पाण्डेय ने नशा,नशे की लत,नशे के विभिन्न उत्पादों एवं नशे की लत लगने के कारणों सहित नशे की लत के दुष्परिणामों पर प्रकाश डाला गया।साथ ही व्यक्तित्व विकास विषय पर छात्र -छात्राओं की समझ विकसित की गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में अरूण कुमार दुबे कार्यक्रम अधिकारी राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई, जयमाला सिंह सहायक कार्यक्रम अधिकारी राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई,चटिरमा ग्राम पंचायत सरपंच सोनिया पण्डो एवं जनपद पंचायत सभापति अम्बिकापुर विजय व्यापारी का सराहनीय योगदान रहा।

धान खरीदी में लापरवाही बर्दाश्त नहीं,बैंक अध्यक्ष रामकिशुन सिंह का सख्त एक्शन,लुंड्रा शाखा प्रबंधक निलंबन के निर्देश

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,23 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।

किसानों के हितों को सर्वोपरि रखते हुए जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित के अध्यक्ष रामकिशुन सिंह ने पदभार ग्रहण करते ही तेज-तर्रार और निर्णयात्मक कार्यशैली का परिचय दिया। मुख्यालय से सीधे फील्ड में उतरते हुए उन्होंने लुंड्रा और धौरपुर शाखाओं का आकस्मिक निरीक्षण किया। अपने प्रथम आगमन पर सहकारी समितियों और बैंक शाखा के अधिकारियों-कर्मचारियों ने उनका आत्मीय स्वागत भी किया।निरीक्षण के दौरान लुंड्रा बैंक शाखा में अव्यवस्थाएं पाए जाने पर अध्यक्ष ने शाखा प्रबंधक व कर्मचारियों को कड़ी फटकार लगाई और बैंक के सीईओ को शाखा प्रबंधक श्रवण पैकरा को निलंबित करने के निर्देश दिए। यह सख्त कदम स्पष्ट संदेश देता है कि किसानों के काम में किसी भी प्रकार की ढिलाई अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके बाद अध्यक्ष ने बटवाही, कुंदी, ससोली, बरगीडीह, धौरपुर, सहनपुर और डुमरडीह सहकारी समितियों का

निरीक्षण कर धान खरीदी की जमीनी हकीकत परखी। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसानों को धान की राशि मांग के अनुरूप और समयबद्ध ढंग से भुगतान हो तथा किसी भी स्तर पर उन्हें परेशानी न उठानी पड़े।निरीक्षण के दौरान ऑनलाइन टोकन प्रणाली, किसानों के लिए पर्याप्त बारदाना, तौल-माप की सुचारु व्यवस्था, हमालों को समय पर भुगतान और धान परिवहन की व्यवस्थाओं का गहन जायजा लिया गया। व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए अध्यक्ष ने कहा कि बैंक प्रशासन कृषक हितों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है और पदभार संभालते ही खरीदी प्रक्रिया को पारदर्शी, त्वरित और भरोसेमंद बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए गए हैं।कुल मिलाकर, अध्यक्ष रामकिशुन सिंह की सख्त लेकिन किसान-हितैषी कार्यशैली से क्षेत्र के किसानों में भरोसा बढ़ा है और धान खरीदी व्यवस्था को लेकर स्पष्ट व सकारात्मक संदेश गया है–अब व्यवस्था चलेगी नियम से, और किसान रहेगा केंद्र में।

क्रूरता पूर्वक गौवंशों की तस्करी करते एक आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,23 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

गौ वंशों की तस्करी के मामले में कोतवाली पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 13 मवेशी एवं पिकअप को जब्त किया है। जानकारी के अनुसार घुटरापारा निवासी अंकित तिवारी ने

कोतवाली पुलिस को सूचना दी की 23 दिसंबर की सुबह करीब 5 बजे बांकी डैम के पास एक पिकअप में गौ वंशों को क्रूरता पूर्वक भरकर झारखंड मवेशी बूचडख़ाना ले जाया जा रहा है। पुलिस मौके पर पहुंचकर पिकअप वाहन क्रमांक जेएच 17 जेड 2975 को रोककर तलाशी ली तो अंदर 13 नग गौ वंशों को क्रूरतापूर्वक बांधकर ले जाया जा रहा था। जिसमें से एक मवेशी की मृत्यु हो गई थी। पुलिस ने आरोपी पिकअप चालक हैय्युल खान उर्फ हैलू खान गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से पुलिस ने 13 नग मवेशी व पिकअप वाहन जब्त किया है। पुलिस ने हैय्युल खान उर्फ हैलू खान पिता खलील खान 24 वर्ष निवासी साई टांगर टोली ईदगाह मोहल्ला लोदाम जिला जशपुर के खिलाफ धारा धारा 4,6,10, व पशु क्रूरता अधिनियम की धारा 11 के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

मनेन्द्रगढ़ में पूर्व छात्रों का ऐतिहासिक समागम...

भावनाओं,स्मृतियों और संस्कारों से सजा यादगार दिन

जब कक्षा फिर जीवित हुई मनेन्द्रगढ़ में स्मृतियों का महासमागम,55 साल का सफ़र,एक दिन में सिमटा,पूर्व छात्रों ने रचा इतिहास

- न पद था,न पहचान... बस फिर से छात्र बन गए हम
- गुरुजी के चरणों में फिर झुके शिष्य,नम हुईं आंखें
- यादों की घंटी बजी और समय ठहर गया,विदाई में छलकी आंखें...मिलन में मुस्कानें...

-रवि सिंह-
मनेन्द्रगढ़,23 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)।

कभी-कभी जीवन की भागदौड़ में कुछ पल ऐसे आ जाते हैं,जो हमें फिर से वही बना देते हैं,छात्र,न पद,न प्रतिष्ठा,न पहचान...बस वही पुरानी यूनिफॉर्म की खुशबू,वही प्रार्थना की पंक्तियाँ और वही गुरुजी की आवाज़,सरस्वती शिशु मंदिर हायर सेकेंडरी स्कूल,मनेन्द्रगढ़ में आयोजित पूर्व छात्रों का समागम ऐसा ही एक क्षण था, जहाँ समय ने मानो 55 वर्षों की दूरी को पलों में समेट दिया। 1983 से 2005 तक के भैया-बहिन जब एक ही प्रांगण में जुटे,तो यह केवल एक आयोजन नहीं रहा यह जीवन की सबसे सच्ची पुनर्मुलाक़ात बन गया, यहाँ कोई अमीर-गरीब नहीं था,कोई बड़ा-छोटा नहीं था, सब समान थे गुरुजनों के चरणों में बैठे शिष्य, जब दिवंगत साथियों और शिक्षकों को याद करते हुए दो मिनट का मौन रखा गया, तब उस मौन में शब्द नहीं थे,आँखें बोल रही थीं, कुछ नाम याद आए,कुछ चेहरे उभरे,और कुछ खाली कुर्सियाँ बहुत कुछ कह गईं,आचार्यों का सम्मान करते समय झुके हुए सिर सिर्फ औपचारिक नहीं थे,वे कृतज्ञता से भरे थे, क्योंकि आज जो कुछ भी हम हैं,उसकी नींव यहीं रखी गई थी, डांट में छिपा स्नेह,अनुशासन में छिपा संस्कार और शिक्षा में छिपा जीवन।

बता दे की सरस्वती शिशु मंदिर हायर सेकेंडरी स्कूल,मनेन्द्रगढ़ में रविवार 21 दिसंबर 2025 को आयोजित पूर्व छात्रों का समागम अपने आप में ऐतिहासिक,भावनात्मक और अत्यंत सफल रहा। वर्ष 1970 में स्थापित विद्यालय के 55 वर्षों के इतिहास में पहली बार इतने बड़े स्तर पर पूर्व छात्रों का सम्मेलन हुआ, जिसमें 1983 से 2005 तक अध्ययन कर चुके भैया-बहिनों ने बड़ी संख्या में सहभागिता की।

गुरु-शिष्य का सजीव रिश्ता : पूर्व एवं वर्तमान में कार्यरत आचार्यों के सम्मान समारोह में छात्रों ने अपने अनुभव साझा किए। वर्षों बाद एक मंच पर आए साथियों ने गीत-संगीत, नृत्य और आत्मीय संवाद के साथ इस मिलन को यादगार बना दिया। पूरे दिन विद्यालय परिसर में उल्लास, आत्मीयता और भावनाओं का अनूठा संगम देखने को मिला। सायंकाल घोष दल के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जो भगत सिंह तिराहा,जैन मंदिर,गुरुद्वारा,विवेकानंद चौक एवं राम मंदिर होते हुए पुनः विद्यालय परिसर में संपन्न हुई।

स्मृतियों की घंटी फिर बजी,जब मनेन्द्रगढ़ में समय ठहर-सा गया...

शाम की शोभायात्रा केवल एक परंपरा नहीं थी,वह एक घोषणा थी,कि यह विद्यालय सिर्फ ईंट-पत्थर की इमारत नहीं,बल्कि एक जीवंत संस्कार-पीठ है,नगरवासियों की पुष्पवर्षा इस बात का प्रमाण थी कि यह स्कूल सिर्फ छात्रों का नहीं, समूचे मनेन्द्रगढ़ का गौरव है, और फिर वह सबसे कठिन पल आया विदाई, जब वर्षों बाद मिले हाथ छूट रहे थे, जब फोन नंबर लिखे जा रहे थे, और जब हर आंख यही सवाल पूछ रही थी फिर कब मिलेंगे? शायद जल्दी नहीं... पर इतना तय है कि इस दिन ने हर दिल में एक दीप जला दिया है,जो जीवन भर बुझने वाला नहीं,यह समागम हमें यह याद दिलाने आया था कि हम चाहे जहाँ भी पहुँच जाएँ, हमारी जड़ें यहीं हैं।

स्मृतियों की सुबह,अपनत्व का दिन

प्रातः 8 बजे से आरंभ हुआ यह आयोजन सायं 6 बजे तक विविध कार्यक्रमों के साथ चलता रहा। विद्यार्थियों ने अपने विद्यालयीन जीवन के स्वर्णिम क्षणों को याद किया,गुरुजनों का सम्मान कर उनसे आशीर्वाद लिया। कार्यक्रम के दौरान दिवंगत साथियों एवं शिक्षकों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए दो मिनट का मौन रखा गया,जिससे पूरा परिसर भावुक हो उठा।

विदाई में छलकी भावनाएं...

समापन के समय जब विदाई का क्षण आया,तो भावनाएं छलक पड़ीं। वर्षों बाद मिले साथी बिछड़ते हुए इस सोच से भावुक दिखे कि ऐसा पल फिर कब आएगा। कई आंखें नम थीं, पर मन संतोष से भरा।

आभार और संदेश...

विद्यालय के प्राचार्य श्री विनोद शुक्ला ने सफल आयोजन के लिए सभी पूर्व छात्रों, आचार्यों और सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह समागम केवल एक कार्यक्रम नहीं,बल्कि संस्कार,स्मृतियों और जीवनभर के रिश्तों को पुनर्जीवित करने का सशक्त माध्यम बना है।

करोड़ों की लागत की सी सी सड़क का निर्माण कार्य बिना आर एम सी प्लांट के

कागज मे संचालित बताकर सी सी सड़क निर्माण कार्य करा दिया जा रहा है...

मुख्य मार्ग से अगरिया पारा से आधीबार सीसी सड़क निर्माण मुख्य मार्ग से कोडकूपारा सीसी सडक निर्माण कार्य लोक निर्माण विभाग के अधिकारीओ की सह पर

ठेकेदार के द्वारा अमानक मात्रा से बिना आरएमसी प्लांट (रेडी मिक्स कांक्रीट प्लांट) के मनमानी तरीके से सी सी सडक का निर्माण कार्य किया जा रहा है...?

राजेन्द्र शर्मा
खड़गवां,23 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)।

ठेकेदार के द्वारा मनमाने तरीके से सी सी सड़क एवं पुल पुलिया का निर्माण कार्य कराया जा रहा है खड़गवां मुख्यालय क्षेत्र में निर्माण कार्य गुणवत्ताहीन सामाग्री का उपयोग कर निर्माण कार्य किया जा रहा है। जबकि सी सी सडक निर्माण एवं पुल पुलिया निर्माण कार्य को आर एम सी प्लांट (रेडी मिक्स कांक्रीट प्लांट) के निर्माण कार्य नहीं किया जाना है इस आर एम सी प्लांट से निर्मित सामाग्री के मिश्रण की मात्रा सही और गुणवत्ता युक्त एवं सही मापदंडों पर रहती है आर एम सी प्लांट से मिश्रित सामग्री से सड़कों का निर्माण कार्य होने से सड़कें काफी मजबूत और टिकाऊ निर्मित होती है। मगर खड़गवां मुख्यालय के आसपास निर्माणधीन सड़कों में कहीं पर आर एम सी प्लांट (रेडी मिक्स कांक्रीट

प्लांट) उपयोग किए बिना धड़ल्ले से लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों और ठेकेदार की सांठगांठ से मिक्सर मशीनों से बिना गुणवत्ता और मापदंडों के सामाग्री के धड़ल्ले से निर्माण कार्य कर दिया गया है। जबकि लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के सामने और उनके निरीक्षण और संरक्षण में बिना आर एम सी प्लांट (रेडी मिक्स कांक्रीट प्लांट) के करोड़ों रुपए की सी सी सड़कों का निर्माण कार्य करा दिया जा रहा है। छत्तीसगढ़ शासन के लोक निर्माण विभाग के राज्य मंत्री के द्वारा गुणवत्ता विहीन सड़कों के निर्माण कार्य कराये जाने पर कडी कार्यवाही करने के निर्देश के बाद भी लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के द्वारा सड़क निर्माण कार्य और कंक्रीट का निर्माण कार्य धड़ल्ले से गुणवत्ता मानकों एवं मापदंडों को ताक में रखकर कार्य कराया जा रहा है ? इस कारण से ही इस तरह से निमित्त सड़कें का महज चंद दिनों में ही जगह जगह पर टूट जाती है जिससे क्षेत्र की जनता को उसकी परेशानी का सामना करना पड़ता है जिससे आये दुर्घटनाए होती है इस का जिम्मेदार क्या लोक निर्माण विभाग के अधिकारी एवं ठेकेदार होंगे क्या? शासन प्रशासन के द्वारा ग्राम पंचायत एवं कस्बों में विकास के नाम पर अच्छी सुगम सड़क नाली पुल पुलिया निर्माण कराकर ग्रामीणों एवं स्थानीय जनता को सुविधा मुहैया कराने के उद्देश्य से करोड़ों रुपए की लागत से निर्माण कार्य कराया जाता है जो विभागीय अधिकारियों एवं ठेकेदार की आपसी सांठगांठ से भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाता है शासन प्रशासन को इस पर कड़ाई से इसकी जांच कर कार्यवाही करनी चाहिए जिससे सी सी सडक नाली पुल पुलिया आदि की गुणवत्ता मानकों एवं मापदंडों का सही पालन कर निर्माण कार्य कराया जा सके?

भाजपा नेता अक्षय गर्ग का नकाबपोशों ने की दिनदहाड़े हत्या

-संवाददाता-
कोरबा,23 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)।

कोरबा जिले के कटघोरा तहसील अंतर्गत कारखाना मोहल्ला निवासी भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और जनपद सदस्य,ठेकेदार,पूर्व जनपद उपाध्यक्ष अक्षय गर्ग पर जानलेवा हमला नकाबपोशों के द्वारा आज सुबह किया गया। इस जानलेवा हमले में हुए गंभीर घायल अक्षय गर्ग की अस्पताल ले जाते वक्त मृत्यु हो गई।

जानकारी के अनुसार सुबह करीब 9-10 बजे के मध्य अक्षय गर्ग ग्राम केशलपुर अपनी प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत सड़क निर्माण की साइट पर थे,तभी एक काले रंग की कार में सवार होकर पहुंचे नकाबपोश लोगों ने उन पर ताबड़तोड़ हमला धारदार हथियारों से कर दिया।

उनके हाथ,सिर,गर्दन,पेट,पीठ व शरीर के अन्य हिस्सों में काफी गहरे जख्म आए। जिसपर उन्हें गंभीर हालत में उपचार हेतु स्थानीय कटघोरा चिकित्सालय लाया जा रहा था, किन्तु उन्होंने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। चिकित्सालय में चिकित्सक ने परीक्षण उपरांत उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी होते ही कटघोरा थाना प्रभारी धर्म नारायण तिवारी दलबल के साथ घटनास्थल पहुंच उक्त मामले पर जांच सुरु कर दी,वहीँ जिला पुलिस अधीक्षक के साथ बिलासपुर संभाग के आई.जी. भी घटनास्थल पर पहुंचे। हत्या किन कारणों से की गई एवं अपराधी कहाँ से आए थे इसकी खोजबीन पुलिस ने सुरु कर दी है,जल्द अपराधी पकडे जाने की बात कही गई है।

चांदो धान समिति केंद्र में धान उठाव नहीं होने से बढ़ रही किसानों की परेशानी

-संवाददाता-
लखनपुर, 23 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)।

15 नवंबर से प्रदेश में धान खरीदी सरकार ने समितियां के माध्यम से शुरुवात कर दी है वहीं अगर बात की जाए तो धान का उठाव सही समय पर नहीं हो रहा है जिससे किसान व धान समिति केंद्रों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है मामला लखनपुर चांदो धान समिति केंद्र का है जहां मंगलवार की सुबह से ही किसान ट्रैक्टर वा पिकअप मैं धान लोड कर बेचने के लिए चांदो समिति में पहुंचे थे जहां समिति में पूर्व सही धान बड़े पैमाने पर पड़ा हुआ है वही धान लेकर पहुंचे किसानों को धान रखने के लिए जगह नहीं मिल पा रहा था वही समिति केंद्र के बाहर कई घंटों से गाड़ियों की लंबी कतार लग गई थी किसान भी परेशान हो रहे थे वहीं जब मामले की जानकारी स्थानीय जनप्रतिनिधियों को लगी तो वैकल्पिक व्यवस्था के तौर पर समिति के सामने स्कूल ग्राउंड में ही धान को डंप कराया गया वही चांदो समिति प्रबंधक रुदन राजवाड़े ने बताया कि

1497 पंजीकृत किसान चांदो समिति में धान बेचते हैं अभी तक 454 किसानों ने 26853 क्विंटल धान बेचा है अभी तक एक भी ट्रक धान का उठाव नहीं हुआ है किसानों की समस्या को देखते हुए स्थानीय जनप्रतिनिधियों के सहमति से सामने स्कूल ग्राउंड में किसानों के धान को बिक्री करने के लिए डंप कराया गया है लेकिन जल्द उठाव नहीं किया गया तो बहुत दिक्कत का सामना करना पड़ेगा अभी स्कूलों की छुट्टी है और वही स्कूल खुलने के बाद परेशानी होगी देखने वाली बात होगी की धान का उठाव कब से हो पता है।

ब्लड सेंटर को रक्त के विभिन्न घटकों के निर्माण एवं उपयोग की मिली स्वीकृति

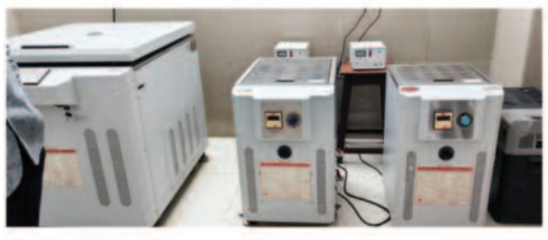

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,23 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन, छत्तीसगढ़ द्वारा जारी आदेश के तहत राजमाता देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय से संबद्ध चिकित्सालय,अंबिकापुर स्थित ब्लड सेंटर को रक्त के विभिन्न घटकों के निर्माण एवं उपयोग की आधिकारिक स्वीकृति प्रदान की गई है। जारी एंडोर्समेंट लेटर के अनुसार वर्तमान में सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक,जिला अस्पताल अंबिकापुर के नाम से संचालित ब्लड सेंटर को निम्नलिखित रक्त घटकों को तैयार एवं उपयोग की अनुमति प्रदान की गई है। जिसमें-पैक्ड रेड सेल्स, फ्रेश फ्रोजन प्लाज्मा (एफएफपी),आईपी,प्लेटलेट,कंसंट्रेट, क्रायोप्रेसिपिटेट की स्वीकृति मिली है। जो सरगुजा संभाग के सबसे बड़े शासकीय चिकित्सा संस्थान में आने वाले गंभीर रोगियों,आपातकालीन मामलों,शल्य-चिकित्सा,दुर्घटना पीड़ितों,गर्भवती महिलाओं एवं अन्य जरूरतमंद मरीजों को समय पर आवश्यक रक्त घटक उपलब्ध कराए जाने के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि है। इससे सरगुजा संभाग के मरीजों को अन्य जिलों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा तथा क्षेत्रीय स्वास्थ्य सेवाओं में उल्लेखनीय सुधार होगा। यह उपलब्धि सरगुजा संभाग की स्वास्थ्य अधोसंरचना को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

कलेक्टर अजीत वसंत ने रैन बसेरा व आश्रय स्थल का किया निरीक्षण

शीतलहर को देखते हुए बिस्तर व कंबल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के दिया निर्देश

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,23 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

जिले में बढ़ते शीतलहर को देखते हुए जरूरतमंद एवं निराश्रित लोगों को सुरक्षित आश्रय उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आज कलेक्टर अजीत वसंत ने प्रतीक्षा बस स्टैंड परिसर में नगर पालिक निगम अम्बिकापुर द्वारा संचालित रैन बसेरा एवं राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन अंतर्गत संचालित आश्रय स्थल का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री वसंत ने रैन बसेरा एवं आश्रय स्थल में साफ-सफाई की व्यवस्था,ठहरने वाले लोगों के लिए बिस्तर एवं कंबल की उपलब्धता तथा सुरक्षा से जुड़ी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने व्यवस्थाओं को सुव्यव स्थित रखने के निर्देश दिया,ताकि ठंड के मौसम में आश्रय लेने वाले

लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। कलेक्टर श्री वसंत ने शासन द्वारा उपलब्ध कराई जा रही इस सुविधा के व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश भी दिए, जिससे अधिक से अधिक जरूरतमंद लोग रैन बसेरा एवं आश्रय स्थल का लाभ उठा सकें। निरीक्षण के दौरान नगर पालिक निगम आयुक्त श्री डी.एन. कश्यप सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

वन विभाग के पकड़ में में आय अवैध सेमर लकड़ी परिवहन करते आरोपी,वाहन जप्त कर वन अधिनियम के तहत की गई कार्यवाही

-संवाददाता-
रामानुजगंज,23 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिला वनमण्डलाधिकारी आलोक कुमार बाजपेयी के निर्देशन एवं उपवनमण्डलाधिकारी बलरामपुर अनिल कुमार सिंह पैकरा के मार्गदर्शन में वनपरिक्षेत्राधिकारी रामानुजगंज निखिल सक्सेना के नेतृत्व में सर्किल रामानुजगंज अंतर्गत बीट रामानुजगंज के चोरपहरी बैरियर में वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। जानकारी के अनुसार बलरामपुर जिला मंडलाधिकारी अधिकारी के निर्देश पर वन विभाग के द्वारा संघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। वन विभाग के चेकिंग के दौरान एक ट्रक में सेमल लकड़ी लोड कर परिवहन किया जा रहा था। जिसको लेकर वन अमला ने लकड़ी लोड वाहन रोककर वाहन चालक मनोज भुईहर पिता मुनीब भुईहर (41 वर्ष) निवासी नवाडीह, तहसील-थाना चैनपुर, जिला पलामू (झारखण्ड) से लोडिंगमय वनोपज के संबंध में परिवहन अनुज्ञा पत्र (टीपी) की मांग कर जांच की गई। मौके पर प्रस्तुत टीपी तथा ऑनलाइन एनटीपीएस में उपलब्ध विवरण का मिलान करने पर दोनों टीपी अलग-अलग पाए गए, जिससे दस्तावेजों में अनियमितता स्पष्ट हुई।

प्रेस एंड मीडिया वेलफेयर एसोसिएशन की जिला कार्यकारिणी का विस्तार

कोरिया में संगठित पत्रकारिता की मजबूत दस्तक

-राजन पाण्डेय-

कोरिया,23 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

प्रेस एंड मीडिया वेलफेयर एसोसिएशन (नई दिल्ली 7 छत्तीसगढ़ इकाई) की कोरिया जिला स्तरीय कार्यकारिणी का गठन एवं विस्तार कटगोड़ी रेस्ट हाउस, आनंदपुर नर्सरी में आयोजित बैठक के माध्यम से संपन्न हुआ, बैठक आदित्य गुप्ता के अध्यक्षता व मार्गदर्शन में ऊर्जावान वातावरण और स्पष्ट संकल्प के साथ आयोजित की गई, जिसमें पत्रकार हित, संगठनात्मक मजबूती, सुरक्षा और सामाजिक सहभागिता जैसे मुद्दों पर गंभीर चर्चा हुई। बैठक में लिए गए निर्णयों के परिपालन में कोरिया जिले की नई कार्यकारिणी गठित की गई। इस दौरान यह स्पष्ट संदेश उभरकर सामने आया कि पत्रकारिता और समाजसेवा जब एक मंच पर आती हैं, तो बदलाव की संभावनाएं कहीं अधिक सशक्त हो जाती हैं। बैठक में केवल पत्रकार ही नहीं, बल्कि कोरिया जन सहयोग समिति के पदाधिकारी भी शामिल हुए, जिससे संवाद का दायरा और व्यापक हुआ, बैठक को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने क्षेत्रीय मुद्दों के प्रभावी प्रकाशन, खबरों के माध्यम से आमजन की समस्याओं के समाधान, पत्रकारों के उत्पीड़न के मामलों में एकजुटता और 'वॉच डॉग पत्रकारिता' की आवश्यकता पर बल दिया। वक्ताओं ने कहा कि आज के दौर में तकनीक से अधिक जरूरी है, पत्रकारों के बीच एकता, पारदर्शिता और सकारात्मक नेतृत्व, कार्यक्रम के अंत में आदित्य गुप्ता ने कहा कि बदलते मीडिया परिदृश्य में संगठित होना किसी क्रांति से कम नहीं है, मजबूत संगठन ही पत्रकारों के अधिकारों की रक्षा कर सकता है और समाज में उनकी भूमिका को और प्रभावी बना सकता है, बैठक की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि यह रही कि कोरिया के बाद एमसीबी जिले में भी शीघ्र नई कार्यकारिणी के गठन का निर्णय लिया गया।

कोरिया जिला कार्यकारिणी

- जिला प्रभारीः राजन पाण्डेय
- जिला अध्यक्षः एस.के. रूप
- जिला उपाध्यक्षः अजय गुप्ता
- जिला उपाध्यक्षः प्रदीप पाटेकर
- जिला महासचिवः आदित्य गुप्ता
- जिला सचिवः एहसानुल हक
- जिला सह सचिवः मनीष सिंह
- जिला प्रवक्ताः उद्देश्य साहू
- जिला मीडिया प्रभारीः प्रफुल पाण्डेय
- जिला तकनीकी प्रभारीः राजकुमार साहू
- जिला कानूनी सलाहकारः अधिवक्ता रजा अंसारी, अधिवक्ता जयचन्द सोनपाकर
- जिला कार्यक्रम प्रमुखः पुष्पेंद्र राजवाड़े

सोनहत ब्लॉक कार्यकारिणी

- ब्लॉक प्रभारीः सतीश पटेल
- ब्लॉक अध्यक्षः रुद्र प्रताप सिंह
- ब्लॉक उपाध्यक्षः एहसानुल हक, विजय साहू
- ब्लॉक महासचिवः संतोष साहू
- ब्लॉक सचिवः नीलेश सोनी
- ब्लॉक सह सचिवः रवि प्रसाद
- ब्लॉक मीडिया प्रभारीः राजू साहू
- ब्लॉक तकनीकी प्रभारीः अवध यादव
- ब्लॉक कानूनी सलाहकारः संजय साहू
- ब्लॉक कार्यकारिणी सदस्यः देवी प्रसाद, अवध यादव, राजकुमार साहू, जयप्रकाश राजवाड़े, बालकरण सोनपाकर

जब पत्रकार संगठित होते हैं,तब बदलाव अपरिहार्य होता है...

आज का समय सूचना का नहीं, संघर्ष का समय है, जहाँ सच तेज़ है, वहीं उस पर दबाव भी उतना ही तीखा है। ऐसे समय में पत्रकारों का संगठित होना केवल संगठन विस्तार नहीं, बल्कि लोकतंत्र की रक्षा की तैयारी है, कोरिया में गठित यह कार्यकारिणी एक स्पष्ट संकेत देती है कि अब पत्रकार केवल खबर लिखने तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि खबर के परिणाम तक 'वॉच डॉग' की भूमिका निभाएंगे, समाजसेवियों की सहभागिता यह भी बताती है कि मीडिया जब समाज के साथ खड़ा होता है, तब सत्य अकेला नहीं रहता, यह संगठन पत्रकारों के अधिकारों की लड़ाई तक सीमित नहीं, बल्कि न्याय, पारदर्शिता और सामाजिक चेतना के विस्तार का माध्यम बन सकता है, संगठन जितना मजबूत होगा, पत्रकारिता उतनी ही विश्वसनीय होगी, और यही इस बैठक का सबसे बड़ा संदेश है।

प्रधानमंत्री आवास योजना से हर गरीब का सपना हो रहा साकार : विधायक रेणुका सिंह

'प्रशासन गांव की ओर' शिविर में हितग्राहियों का सम्मान,आवास की चाभी सौंपी गई

-संवाददाता-

कोरिया,23 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

जिले के वनांचल जनपद पंचायत सोनहत अंतर्गत ग्राम घुघरा में 'प्रशासन गांव की ओर' अभियान के तहत जनकल्याणकारी शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य शासन की योजनाओं को सीधे आमजन तक पहुँचाना रहा। इस अवसर पर सोनहत-भरतपुर क्षेत्र की विधायक रेणुका सिंह ने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत आवास पूर्ण करने वाले हितग्राहियों को अभिनंदन पत्र एवं आवास की चाभी प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया।

कार्यक्रम में विधायक ने कहा कि नरेन्द्र मोदी की सोच और संकल्प के कारण आज हर गरीब का पक्का मकान का सपना साकार हो रहा है। वंचित वर्ग अब सुरक्षित और सम्मानजनक आवास में जीवन जी रहा है। उन्होंने हितग्राहियों से अपील की कि वे समयबद्ध रूप से आवास पूर्ण करें और विकसित होते छत्तीसगढ़ की यात्रा में सहभागी बनें।

मोर गांव-मोर पानी...जल संरक्षण को बढ़ावा

'मोर गांव मोर पानी' अभियान के तहत जल संरक्षण पर विशेष जोर दिया गया। 'आवा पानी झोंकी' पहल के अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों के घरों में जनसहभागिता से रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाया जा रहा है। हाल ही में चंदन त्रिपाठी, कलेक्टर कोरिया, तथा डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कोरिया, ने ग्राम घुघरा के हितग्राही श्री रमेश के आवास में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम निर्माण में भाग लेकर अन्य हितग्राहियों को प्रेरित किया, कार्यक्रम में ग्राम पंचायत घुघरा के मोतीलाल, श्रीमती सरस्वती, टेकलाल सहित अन्य हितग्राहियों को सम्मानित किया गया। शिविर के दौरान विभिन्न विभागों की सेवाएँ भी उपलब्ध कराई गईं, जिससे ग्रामीणों को योजनाओं का लाभ एक ही मंच पर मिला।

सांस्कृतिक मंच की नई कार्यकारिणी घोषित...सन्नी खनूजा

अध्यक्ष,निखिल उपाध्यक्ष और उत्कर्ष सेन सचिव नियुक्त

31 दिसंबर के 'बहुरूपिया महोत्सव' को ऐतिहासिक बनाने की तैयारी शुरू

-संवाददाता-

मनेंद्रगढ़,23 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

शहर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को सहेजने और कलात्मक गतिविधियों को नया आयाम देने के उद्देश्य से मंगलवार को मनेंद्रगढ़ सांस्कृतिक मंच की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से मंच की नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया, जिसमें शहर के प्रतिष्ठित युवा व्यवसायी सन्नी खनूजा को निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया। नई टीम, नया विजन- बैठक में वरिष्ठ सदस्यों की उपस्थिति में नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई, जिसमें ऊर्जावान युवाओं को प्रमुख जिम्मेदारियाँ सौंपी गईं।

- अध्यक्षः सन्नी खनूजा
- सचिवः उत्कर्ष सेन
- उपाध्यक्षः निखिल छत्तानी, विपिन तिवारी
- कोषाध्यक्षः गौरव मिश्रा
- कार्यकारिणी सदस्यः बलविंदर सिंह कोहली, इरशाद अंसारी, हिमांशु श्रीवास्तव

इस अवसर पर मंच के स्तंभ माने जाने वाले रामचरित द्विवेदी, कृष्णा वस्त्रकार, दिनेश द्विवेदी, कमलेश सिंह और सुरेंद्र मिनोचा सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने नई टीम को आशीर्वाद देते हुए सांस्कृतिक गतिविधियों को और सशक्त बनाने का आह्वान किया।

सांस्कृतिक पहचान को पुनर्जीवित करने का संकल्प : नवनियुक्त अध्यक्ष सन्नी खनूजा ने अपनी कार्ययोजना साझा करते हुए कहा कि नई कार्यकारिणी का गठन मनेन्द्रगढ़ की पुरानी सांस्कृतिक पहचान को पुनर्जीवित करने के संकल्प के साथ किया गया है।

बहुरूपिया महोत्सवः परंपरा और नवाचार का संगम

मनेंद्रगढ़ सांस्कृतिक मंच का गौरवशाली इतिहास रहा है कि वह हर वर्ष 31 दिसंबर को बहुरूपिया महोत्सव का आयोजन करता है। नई कार्यकारिणी के गठन के बाद हुई पहली चर्चा में इस महोत्सव को और अधिक भव्य बनाने का निर्णय लिया गया। इस बार नए आकर्षण, बेहतर मंचन और युवा सहभागिता के साथ महोत्सव को ऐसे रूप में प्रस्तुत करने की योजना है, जिससे पारंपरिक कला का संरक्षण भी हो और नई पीढ़ी का जुड़ाव भी बढ़े, शहर में नई कार्यकारिणी के गठन को लेकर उत्साह का माहौल है और उम्मीद जताई जा रही है कि यह टीम मनेंद्रगढ़ की सांस्कृतिक पहचान को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

निविदा सूचना

क्र.सं. (1) ई–निविदा सूचना संख्याः 86-एसटी-टेंडर-2025 दिनांक : 17.12.2025. कार्य : "बिलासपुर डिविजन के सीआईसी खंड पर जंग लगी रेल पटरियों वाले डीसी ट्रैक सर्किट में डुअल MSDAC की व्यवस्था करके विश्वसनियता में सुधार किया गया है। निविदा मूल्य : ₹ 8,90,00,678.42/– (आठ करोड नब्बे लाख छः सौ अठहत्तर रूपये बयालीस पैसे मात्र)। अमानत राशि : ₹ 5,95,00/– (पांच लाख पनचानबे हजार रूपये मात्र), निविदा का जमा होनाः दिनांक 12.01.2026 के 15:00 बजे तक। उपरोक्त ई–निविदा सूचना की पूरी जानकारी http://www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदा हेतु ई–टेंडर के अलावा अन्य टेंडर स्वीकार नहीं की जाएगी।

मंडल संकेत एवं दूरसंचार इंजीनियर (मेन लाईन)
CPR/10/564 दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway @secrail
RO No.BSP-883/25-26

न्यायालय नायब तहसीलदार रा.नि. मंडल अंबिकापुर-3 के न्यायालय में मामला क्रमांकः 202512022900005

विषयः-अ-6 अ मामले की श्रेणीः-राजस्व सन्ः-2025-26

मायापुर.ह.न.00014 [110/4(0.0400)]
पक्षकारों का विवरणः-
आवेदक पक्षकार- ,
अनावेदक पक्षकार- ,

ईश्तहार

आवेदिका गनेशी बाई आ0 स्व0 ननका दास निवासी मायापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम मायापुर स्थित स्वयं के स्वामित्व की भूमि खसरा क्रमांक 110/4 रकबा 0.040 हे0 भूमि के वर्तमान राजस्व रिकार्ड में त्रुटिवश आवेदिका की जाति पनिका वर्ग अनु0 जनजाति एवं गनेशी बाई पति ननका दास अंकित हो गया है, जबकि आवेदिका की जाति पनिका जो अन्य पिछड़ा वर्ग के अन्तर्गत आती है। आवेदिका द्वारा उक्त त्रुटि को सुधार किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 05.01.2026 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जाएगा।

ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 16/12/2025 को जारी किया जाता है।

लकेश्वर प्रसाद
नायब तहसीलदार
अम्बिकापुर-03
सील

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः, 202512020700073

विषयः-अ-6 मामले की श्रेणीः-राजस्व सन्ः-2025-26

थोर (प ह न. 00027),
पक्षकारों का विवरणः-
आवेदक पक्षकार- सनमेत राजवाडे.
अनावेदक पक्षकार-मोहित राम,सनमेत राजवाड़े,मुली बाई,बहालो बाई,रामबाई,

ईश्तहार

आवेदिका सनमेत राजवाड़े पति स्व0सोहित राजवाड़े निवासी ग्राम थोर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम थोर स्थित कुल खसरा नंबर 14 कुल रकबा 2.792 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखो से मृतक खातेदार रामबाई का नाम विलोपित करते हुये उनके वैध वारिसानो का नाम फौती नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 07-01-2026 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 15/12/2025 को जारी किया जाता है।

उमेश्वर सिंह बाज
तहसीलदार,अंबिकापुर
सील

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा) सक्षम प्राधिकारी (डायवर्सन) प्रतापपुर जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

// उद्घोषणा //

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है आवेदक मुकेश कुमार गुप्ता पिता राम प्रवेश गुप्ता जाति तेली निवासी प्रतापपुर तहसील प्रतापपुर जिला सूरजपुर छ0ग0 द्वारा अपने स्वत्व एवं आधिपत्य की भूमि ग्राम खोरमा प0ह0नं0 21 तहसील प्रतापपुर स्थित खसरा नंबर 54/29 रकबा 0.0220 हे. भूमि को छ0ग0भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 172 के अन्तर्गत कृषि भूमि से भिन्न आवासीय प्रयोजनार्थ व्यपवर्तन कराने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है ।

यदि इस पर किसी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 02/01/2026 तक अपना दावा/आपत्ति इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है। इस तिथि के बाद प्राप्त दावा कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक /12/2025 को न्यायालय के पदमुद्रा द्वारा जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी
(रा.) एवं सक्षम
प्राधिकारी प्रतापपुर
जिला-सूरजपुर,छ0ग0
सील

न्यायालय तहसीलदार दरिमा ,जिला-सरगुजा,छत्तीसगढ़

रा0प्र0क्र0 /अ-6/2025-26

ईश्तहार

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण 1. रामनन्द राजवाड़े 2. ईश्वर राम राजवाड़े दोनों के पिता राम लखन राजवाडे जाति रजवार, निवासी ग्राम श्रीगढ़ थाना व तह. अम्बिकापुर के द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर ग्राम अड़ची में स्थित भूमि खसरा नंबर 250 रकबा 0.332 हे. भूमि करमकुवर, रामसागर पिता मानिकदास, कदमकुवर पति मानिकराम के नाम पर दर्ज होकर स्थित है। वादभूमि को क्रेता 1. रामनन्द राजवाड़े 2. ईश्वर राम राजवाड़े दोनों पिता राम लखन राजवाडे के द्वारा पंजीकृत बैनामा पत्र दिनांक 31.01.2025 के आधार पर विक्रेता राम सागर दास आ. मानिक दास से क्रय कर प्राप्त किया गया है। अनावेदक 1. राम सागर द्वारा विक्रय किया गया है वादभूमि पर अनावेदक 1. के साथ अनावेदकगण 2. करम कुंवर आ. मानिकदास 2. कदम कुंवर पति मानिकदास (मृत) का नाम सहखातेदार के रूप में दर्ज होकर स्थित है अनावेदकगण 2, 3 का वादभूमि में हिस्सा प्रभावित नहीं होता है, लेख किया गया है, जिसके कारण आवेदकगण द्वारा वादभूमि पर पंजीकृत बैनामा पर के आधार पर आवेदकगण का नाम दर्ज करने हेतु आवेदन इस न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति / पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 21/01/2026 तक न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 19/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी किया गया ।

तहसीलदार
दरिमा,सरगुजा(छ.ग.)
सील

जिला जेल बैकुण्ठपुर का निरीक्षण...प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश व कलेक्टर ने बंदियों की सुविधाओं और अधिकारों की ली जानकारी

कानून की निगरानी में कारागार: निरीक्षण नहीं,संवैधानिक दायित्व...

-संवाददाता-
कोरिया,23 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।

जिला जेल बैकुण्ठपुर का हालिया निरीक्षण केवल एक औपचारिक प्रशासनिक गतिविधि नहीं, बल्कि संविधान, मानवाधिकार और न्यायिक उत्तरदायित्व के त्रिकोण का प्रत्यक्ष उदाहरण है, यह निरीक्षण उस सिद्धांत को दोहराता है कि कारावास सजा है, अमानवीय व्यवहार नहीं, राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश और उच्चतम न्यायालय के रिट याचिका (सी) 1404/2023 सुकन्या संस्था बनाम यूनियन ऑफ इंडिया में पारित आदेशों का मूल उद्देश्य स्पष्ट है, जेलों में जातिगत या किसी भी प्रकार के भेदभाव का पूर्ण उन्मूलन और बंदियों के मौलिक अधिकारों की प्रभावी सुरक्षा, भारतीय संविधान का अनुच्छेद 14 समानता की गारंटी देता है, अनुच्छेद 21 गरिमामय जीवन का अधिकार सुनिश्चित करता है, और अनुच्छेद 39ए विधिक सहायता को न्याय तक पहुंच का साधन मानता है। जेल निरीक्षण के दौरान लीगल एड क्लीनिक, भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता, बैरक व्यवस्था और बंदियों से प्रत्यक्ष संवाद, ये सभी तत्व इन्हीं संवैधानिक प्रावधानों की जमीनी कसौटी हैं, न्यायालयों ने समय-समय पर यह

स्पष्ट किया है कि कैदी भी नागरिक हैं और उनके अधिकार कारावास की दीवारों के भीतर समाप्त नहीं होते। इसीलिए डिस्ट्रिक्ट विजिटर्स बोर्ड की तिमाही निरीक्षण व्यवस्था केवल अनुपालन नहीं, बल्कि न्यायिक निगरानी का सशक्त उपकरण है, निरीक्षण में जातिगत या अन्य भेदभाव का न पाया जाना सकारात्मक संकेत है, किंतु यह भी स्मरणीय है कि अधिकारों की सुरक्षा निरंतर प्रक्रिया है, एक दिन का निष्कर्ष नहीं, यह पहल प्रशासन और न्यायपालिका के संयुक्त उत्तरदायित्व को रेखांकित करती है जहां पारदर्शिता,जवाबदेही और संवेदनशीलता अनिवार्य हैं। यदि ऐसे निरीक्षण नियमित, निष्पक्ष और परिणामोन्मुख बने रहें, तो कारागार दंड के स्थान से सुधार और पुनर्वास के केंद्र बन सकते हैं। बता दे की राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के निर्देशानुसार तथा माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा रिट पिटीशन (सी) क्रमांक 1404/2023 - सुकन्या संस्था बनाम यूनियन ऑफ इंडिया व अन्य में पारित आदेशों के अनुपालन में 22 दिसंबर 2025 को जिला जेल बैकुण्ठपुर का निरीक्षण किया गया, निरीक्षण

बंदियों के अधिकार और मूलभूत सुविधाओं की समीक्षा

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बंदियों से संवाद कर जेल में निरुद्ध रहने की अवधि में मिलने वाले कानूनी अधिकारों, विधिक सहायता एवं मूलभूत सुविधाओं की जानकारी ली। यह भी सुनिश्चित किया गया कि सभी बंदियों को समय पर विधिक सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं तथा उनके साथ किसी प्रकार का जातिगत या अन्य भेदभाव नहीं हो रहा है।

दल का नेतृत्व शैलेश कुमार तिवारी (प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश / अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण) एवं चंदन त्रिपाठी (कलेक्टर, कोरिया) ने किया, इस दौरान श्याम मधुकर, अमृता दिनेश मिश्रा सहित विजिटर बोर्ड के अन्य सदस्य उपस्थित रहे, निरीक्षण के दौरान जिला जेल बैकुण्ठपुर में जातिगत या अन्य किसी प्रकार का भेदभाव नहीं पाया गया, तथा व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं।

स्वच्छता, इंफ्रास्ट्रक्चर और भोजन की जांच : निरीक्षण बोर्ड ने जेल परिसर के बैरक, शौचालय,साफ-सफाई की स्थिति, इंफ्रास्ट्रक्चर की गहन समीक्षा की। साथ ही बंदियों को प्रदान किए जा रहे भोजन की गुणवत्ता की भी जांच की गई। अधिकारियों ने बंदियों की व्यक्तिगत समस्याएं सुनीं और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

लीगल एड क्लीनिक का निरीक्षण : जेल में स्थापित लीगल एड क्लीनिक का भी निरीक्षण किया गया। क्लीनिक के माध्यम से बंदियों को दी जा रही कानूनी सहायता, परामर्श एवं सुविधाओं की स्थिति का अवलोकन करते हुए इसे और प्रभावी बनाने पर चर्चा की गई।

त्रैमासिक निरीक्षण की व्यवस्था : उल्लेखनीय है कि माननीय उच्चतम न्यायालय के 03 अक्टूबर 2024 के आदेशों के परिपालन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं डिस्ट्रिक्ट विजिटर्स बोर्ड, कोरिया द्वारा प्रत्येक तिमाही में जिला जेल बैकुण्ठपुर का निरीक्षण किया जाता है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जेल में बंद किसी भी बंदी के साथ किसी भी प्रकार का भेदभाव न हो और उन्हें उनके संवैधानिक अधिकारों का पूर्ण संरक्षण मिले।

हर्ष दनौदीया ने मरणोत्तर नेत्रदान का लिया संकल्प

जन्मदिन को बनाया मानवता और जीवन-दान का संदेश

-संवाददाता-
सूरजपुर,23 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)

आज के समय में जन्मदिन अक्सर केक,पार्टियों और सोशल मीडिया तक सिमट जाते हैं। लेकिन हर्ष दनौदीया ने इसे संवेदना, करुणा और जीवन-दान का अवसर बनाकर यह दिखा दिया कि खुशी बांटी जाए तो उसका अर्थ कई गुना बढ़ जाता है, नेत्रदान ऐसा दान है, जिसमें मृत्यु के बाद भी जीवन चलता रहता है. एक व्यक्ति का संकल्प, दो लोगों की दुनिया रोशन कर सकता है, सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह निर्णय एक युवा द्वारा लिया गया, जो आने वाली पीढ़ी के लिए मौन संदेश है कि समाज बदलना है तो सोच बदलनी होगी, यदि हर जन्मदिन पर एक संकल्प लिया जाए नेत्रदान, अंगदान या रक्तदान का तो अंधकार में जी रहे लाखों लोगों के जीवन में उजाला संभव है, हर्ष का यह कदम याद दिलाता है कि असली उत्सव वही है, जो किसी और के जीवन में उम्मीद जगा दे। बता दे की विश्रामपुर निवासी युवा हर्ष दनौदीया ने अपने जन्मदिन के अवसर पर मरणोपरांत नेत्रदान का संकल्प लेकर समाज के सामने मानवता की एक प्रेरक मिसाल प्रस्तुत की है, जिला रेडक्रॉस सोसाइटी के सेवा कार्यों से प्रेरित होकर हर्ष ने यह निर्णय लिया, जिसे उपस्थित लोगों ने सराहना के साथ स्वीकार किया, हर्ष दनौदीया ने कहा, मेरा जन्मदिन सिर्फ मेरी खुशी का दिन नहीं, बल्कि दूसरों के जीवन को रोशन करने का अवसर है, मरणोत्तर मेरी आंखें किसी दृष्टिहीन व्यक्ति को नई जिंदगी देंगी। इस अवसर पर डॉ. कपिल देव पैकरा, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, तथा डॉ. अजय मरकाम, सिविल सर्जन ने हर्ष को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। डॉ. पैकरा ने कहा कि हर्ष का यह कदम विशेषकर युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत है और जिला प्रशासन ऐसी जनकल्याणकारी पहलों को हरसंभव प्रोत्साहन देगा।

मनरेगा पर राजनीति या गरीबों पर प्रहार?

धरना सड़क पर...लेकिन कांग्रेस भीतर से बंटी हुई? मनरेगा की 'हत्या' के खिलाफ कांग्रेस का हल्ला बोल

अग्रसेन चौक पर धरना, केन्द्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी

-संवाददाता-
सूरजपुर,23 दिसंबर 2025
(घटती-घटना)।

मनरेगा के मुद्दे पर कांग्रेस ने सड़क पर उतरकर केन्द्र सरकार के खिलाफ मोर्चा खोला,लेकिन संगठन के भीतर गुटबाजी और वरिष्ठ नेताओं की गैरमौजूदगी ने प्रदर्शन की धार के साथ-साथ पार्टी की एकजुटता पर भी सवाल खड़े कर दिए। केन्द्र सरकार द्वारा मनरेगा का नाम बदलकर नया कानून लाने के विरोध में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रव्यापी आह्वान पर जिला कांग्रेस कमेटी सूरजपुर ने स्थानीय अग्रसेन चौक पर हल्ला बोल धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं व कार्यकर्ताओं ने केन्द्र सरकार के खिलाफ तीखी नारेबाजी करते हुए मनरेगा को गरीबों और मजदूरों की जीवनरेखा बताया और उसके कथित समाप्तिकरण की साजिश का आरोप लगाया। धरना-प्रदर्शन में जिला कांग्रेस अध्यक्ष शशि सिंह के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कांग्रेसजन शामिल हुए, इस दौरान इस्माईल खान,सुनील अग्रवाल, विमलेशदत्त तिवारी,अनिल गुप्ता,जगत आयाम, बिहारी कुलदीप,आनंद कुंवर, विमला सिंह, गोपाल शर्मा, गोवर्धन सिंह, संतोष पावले, अभिषेक शर्मा सहित अन्य नेताओं ने सरकार पर तीखा हमला बोला, कार्यक्रम के दौरान कटघोरा के पास हुई हृदयविदारक घटना में सूरजपुर के एक ही परिवार के तीन सदस्यों के दुखद निधन पर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। धरने का संचालन शहर कांग्रेस अध्यक्ष संजय डोसी ने किया। धरना-प्रदर्शन में कांग्रेस, युवक कांग्रेस, महिला कांग्रेस एवं अनुसांगिक संगठनों के बड़ी संख्या में पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

केन्द्र सरकार सुधार के नाम पर दुनिया की सबसे बड़ी रोजगार गारंटी योजना को कमजोर कर रही...

धरने को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेताओं ने कहा कि केन्द्र सरकार सुधार के नाम पर दुनिया की सबसे बड़ी रोजगार गारंटी योजना मनरेगा को धीरे-धीरे कमजोर कर रही है। यह गरीबों और मजदूरों के संवैधानिक अधिकारों को छीनने की कोशिश है। उनका कहना था कि बीते दो दशकों से करोड़ों परिवारों की आजीविका का सहारा बनी मनरेगा को सीमित कर सरकार करोड़ों मजदूरों को योजना से बाहर करने की तैयारी में है।

नरेंद्र मोदी शुरू से ही मनरेगा के विरोधी...

कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि नरेंद्र मोदी शुरू से ही मनरेगा के विरोधी रहे हैं,पिछले पांच वर्षों में मनरेगा के तहत 100 दिन की रोजगार गारंटी सिमटकर 50-55 दिन तक रह गई है। लोकसभा में विधेयक पारित कर योजना को समाप्त करने का रास्ता साफ किया जा रहा है ऐसा कांग्रेस का दावा है।

कांग्रेस का एक धड़ा रहा नदारद...

जिला कांग्रेस के इस बड़े प्रदर्शन में पार्टी का एक धड़ा पूरी तरह नदारद नजर आया,सूत्रों के अनुसार,पैलेस समर्थक कहे जाने वाले नेताओं और कार्यकर्ताओं की अनुपस्थिति ने संगठनात्मक एकजुटता पर सवाल खड़े कर दिए हैं, हाल के अधिकांश कार्यक्रमों में यह स्थिति दोहराई जा रही है।

पूर्व विधायक व मंत्री भी नहीं आए नजर...

नए जिलाध्यक्ष की नियुक्ति के बाद से आयोजित पार्टी कार्यक्रमों में जिले के पूर्व विधायक और पूर्व मंत्री भी कम ही दिखाई दे रहे हैं,भीतरखाने नाराजगी की चर्चा है,जिसका असर सार्वजनिक कार्यक्रमों में साफ दिख रहा है,कार्यकर्ताओं के बीच यह चिंता गहराती जा रही है कि यदि यही स्थिति बनी रही तो आगामी राजनीतिक गतिविधियों और चुनावी तैयारियों पर इसका असर पड़ सकता है।

धान खरीदी की बदहाली पर पूर्व विधायक गुलाब कमरों का मुख्यमंत्री को पत्र

किसानों की पीड़ा को गंभीरता से लेने की मांग

-संवाददाता-
मनेन्द्रगढ़/भरतपुर,23 दिसम्बर 2025
(घटती-घटना)।

जिला एमसीबी एवं कोरिया के धान खरीदी उपार्जन केंद्रों में व्याप्त अव्यवस्थाओं को लेकर भरतपुर-सोनहत विधानसभा के पूर्व विधायक गुलाब कमरों ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र लिखकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने कहा है कि मौजूदा धान खरीदी व्यवस्था किसानों के लिए राहत नहीं,बल्कि परेशानी का कारण बन गई है और यदि शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो इसका सीधा असर किसानों की आर्थिक स्थिति पर पड़ेगा। पत्र में पूर्व विधायक ने उल्लेख किया है कि उपार्जन केंद्रों में प्रतिदिन की खरीदी लिमिट तय होने से किसानों की भारी भीड़ लग रही है,टोकन के लिए किसानों को 15-20 दिनों तक इंतजार करना पड़ रहा है, जिससे छोटे और मध्यम किसान सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने मांग की है कि किसानों की सुविधा को देखते हुए प्रतिदिन की खरीदी सीमा समाप्त की जाए, ताकि सभी किसान समय पर अपना धान बेच सकें, उन्होंने यह भी बताया कि सर्वर की धीमी गति और कमजोर मोबाइल नेटवर्क के कारण एग्रीटेक पंजीयन पोर्टल पर बड़ी संख्या में किसान पंजीयन से वंचित रह गए हैं, ऐसे किसान आज भी धान बेचने में असमर्थ हैं। इस स्थिति को देखते हुए उन्होंने धान पंजीयन की समय-सीमा बढ़ाने की मांग की है।

वादा अधुरा : पूर्व विधायक कमरों ने सरकार के घोषणा पत्र का हवाला देते हुए कहा कि 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीदी

का वादा किया गया था,लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि किसानों से केवल 16-17 क्विंटल प्रति एकड़ ही धान खरीदा जा रहा है, उन्होंने इसे किसानों के साथ अन्याय बताया, पत्र में यह मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया कि वन अधिकार पट्टाधारी किसानों से धान खरीदी नहीं की जा रही है,जिससे आदिवासी और वनवासी किसान अपनी उपज बेचने में भारी कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं,इसके साथ ही समर्थन मूल्य को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। पूर्व विधायक ने कहा कि 3100 रुपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य की घोषणा के बावजूद किसानों को केवल 2369 रुपये प्रति क्विंटल का भुगतान किया जा रहा है,जो वादाखिलाफी को दर्शाता है, इसके अतिरिक्त उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि धान उपार्जन केंद्रों में हमाली का पैसा किसानों से ही वसूला जा रहा है, जबकि यह जिम्मेदारी शासन या संबंधित एजेंसियों की होनी चाहिए,पूर्व विधायक गुलाब कमरों ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि किसानों की इन सभी समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए जाएं, ताकि धान खरीदी व्यवस्था को सुचारू बनाया जा सके और किसानों को उनका पूरा हक मिल सके, उन्होंने कहा कि किसान पहले ही प्राकृतिक आपदाओं और बढ़ती लागत से जूझ रहे हैं, ऐसे में खरीदी व्यवस्था की खामियां उनकी परेशानियों को और बढ़ा रही हैं।

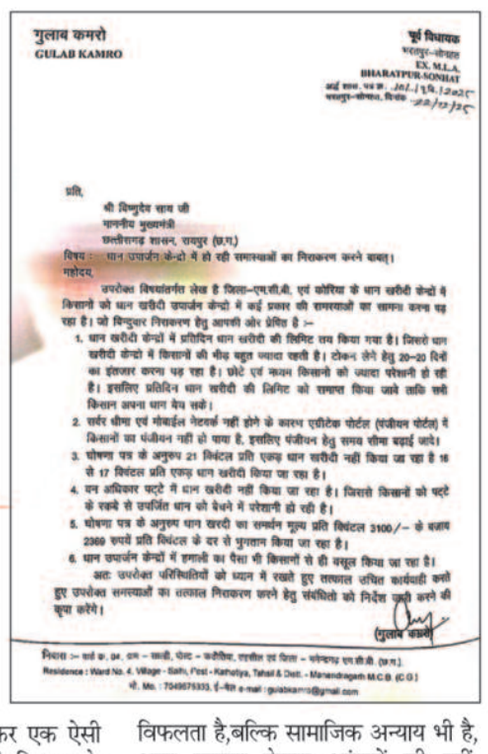

गुलाब कमरो
GULAB KAMRO

पूर्व विधायक
भरतपुर-सोनहत
EX. M.L.A.
BHARATPUR-SONHAT

प्रति,
श्री विष्णुदेव साय जी
माननीय मुख्यमंत्री
छत्तीसगढ़ शासन, रायपुर (छ.ग.)

विषय : धान उपार्जन केन्द्रो में हो रही समस्याओं का निराकरण करने बाबत्।

महोदय,
उपरोक्त विषयांतर्गत लेख है जिला-एम.सी.बी. एवं कोरिया के धान खरीदी केन्द्रो में किसानो को धान खरीदी उपार्जन केन्द्रो में कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। जो बिन्दुवार निराकरण हेतु आपकी ओर प्रेषित है :-
1. धान खरीदी केन्द्रो में प्रतिदिन धान खरीदी की लिमिट तय किया गया है। जिससे धान खरीदी केन्द्रो में किसानो की भीड़ बहुत ज्यादा रहती है। टोकन लेने हेतु 20-20 दिनों का इंतजार करना पड़ रहा है। छोटे एवं मध्यम किसानो को ज्यादा परेशानी हो रही है। इसलिए प्रतिदिन धान खरीदी की लिमिट को समाप्त किया जावे ताकि सभी किसान अपना धान बेच सकें।
2. सर्वर धीमा एवं मोबाईल नेटवर्क नही होने के कारण एग्रीटेक पोर्टल (पंजीयन पोर्टल) में किसानों का पंजीयन नही हो पाया है, इसलिए पंजीयन हेतु समय सीमा बढ़ाई जावे।
3. घोषणा पत्र के अनुरुप 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीदी नही किया जा रहा है 16 से 17 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीदी किया जा रहा है।
4. वन अधिकार पट्टे में धान खरीदी नही किया जा रहा है। जिससे किसानों को पट्टे के रकबे से उपर्जित धान को बेचने में परेशानी हो रही है।
5. घोषणा पत्र के अनुरुप धान खरदी का समर्थन मूल्य प्रति क्विंटल 3100/- के बजाय 2369 रुपयें प्रति क्विंटल के दर से भुगतान किया जा रहा है।
6. धान उपार्जन केन्द्रों में हमाली का पैसा भी किसानों से ही वसूल किया जा रहा है।
अतः उपरोक्त परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए तत्काल उचित कार्यवाही करते हुए उपरोक्त समस्याओं का तत्काल निराकरण करने हेतु संबंधितो को निर्देश जारी करने की कृपा करेंगे।

(गुलाब कमरो)

Residence : Ward No. 4, Village - Sathi, Post - Kathotiya, Tahsil & Distt. - Manendragarh M.C.B. (C.G.)

जब खरीदी व्यवस्था ही बोझ बन जाए

धान खरीदी किसान के लिए सहारा होनी चाहिए,लेकिन जब वही व्यवस्था बोझ बन जाए, तो सवाल उठना स्वाभाविक है,लाइन में खड़े किसान, टोकन के लिए हफ्तों का इंतजार,सर्वर की सुस्ती और अधूरे वादे,ये सब मिलकर एक ऐसी तस्वीर बनाते हैं,जो किसी भी किसान के आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाती है, सरकार के घोषणा पत्र में किए गए वादे अगर कागजों तक सीमित रह जाएं, तो उनका भरोसा टूटना तय है,21 क्विंटल की बात हो या 3100 रुपये समर्थन मूल्य की जब जमीनी सच्चाई इससे अलग हो, तो नाराजगी लाजिमी है। विशेषकर वन अधिकार पट्टाधारी किसानों को व्यवस्था से बाहर रखना न केवल प्रशासनिक विफलता है,बल्कि सामाजिक अन्याय भी है, आज जरूरत केवल आंकड़ों की नहीं, संवेदनशील फैसलों की है,अगर समय रहते सुधार नहीं हुआ,तो यह असंतोष केवल खेतों तक सीमित नहीं रहेगा। किसान की आवाज़ जब अनसुनी होती है, तब वह सवाल बनकर खड़ी होती है,मुख्यमंत्री से अपेक्षा है कि वे इस पीड़ा को केवल पत्र न मानें, बल्कि एक चेतावनी समझें क्योंकि किसान संतुष्ट होगा, तभी व्यवस्था टिकाऊ होगी।

सूरजपुर में जमीन विवाद ने ली जान..भाई-भाई की लड़ाई में एक की मौत,तीन गंभीर घायल

विधायक भूलन सिंह मरावी जिला अस्पताल पहुंचे,इलाज का दिया निर्देश

-संवाददाता-
सूरजपुर,23 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)

ग्रामीण भारत में जमीन केवल संपत्ति नहीं,पहचान और अस्तित्व का सवाल है, लेकिन जब वही जमीन भाई-भाई के बीच खून-खराबे की वजह बन जाए,तो यह व्यवस्था और समाज दोनों के लिए चेतावनी है,इस घटना ने एक बार फिर दिखा दिया कि समय रहते मध्यस्थता,राजस्व स्तर पर त्वरित निस्तारण और संवाद की कमी कैसे जानलेवा बन सकती है, प्रशासन को चाहिए कि ऐसे संवेदनशील विवादों में पूर्व-हस्तक्षेप, काउंसलिंग और त्वरित कानूनी समाधान को प्राथमिकता दे, पंचायत स्तर पर मजबूत विवाद-निवारण तंत्र और राजस्व रिकॉर्ड की पारदर्शिता ही ऐसी त्रासदियों को रोक सकती है, आज शोकग्रस्त परिवार को न्याय और घायलों को बेहतर इलाज की जरूरत है, और समाज को यह सीख कि जमीन के लिए रिश्तों की बलि न चढ़े. ऐसी घटना जिले के ग्राम पंचायत पटना में जमीन विवाद ने मंगलवार को हिंसक रूप ले लिया। दो सगे भाइयों के बीच लंबे समय से चले आ रहे विवाद के चलते हुई मारपीट में आनंद सिंह की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जमीन बिक्री को लेकर एक पक्ष द्वारा आपत्ति दर्ज कराए जाने के बाद विवाद भड़क उठा। देखते ही देखते कहासुनी ने हिंसक झड़प का रूप ले लिया। घटना में श्रीमती

बसंती गंभीर रूप से घायल हुईं, जिनका उपचार जिला चिकित्सालय सूरजपुर में जारी है। वहीं चित्रांग और भोले सिंह की हालत नाजुक होने पर उन्हें बेहतर इलाज के लिए अम्बिकापुर रेफर किया गया है,घटना की सूचना मिलते ही प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी जिला चिकित्सालय पहुंचे। उनके साथ भाजपा जिला अध्यक्ष मुरली मनोहर सोनी,जिला महामंत्री शशिकांत गर्ग, जिला कोषाध्यक्ष संदीप अग्रवाल, जिला पंचायत उपाध्यक्ष प्रतिनिधि राजलाल राजवाड़े सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे, विधायक मरावी ने मृतक के परिजनों से भेंट कर संवेदना व्यक्त की और चिकित्सकों को निर्देश दिए कि घायलों को त्वरित एवं समुचित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए। साथ ही प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

कजन की बारात में ढोल की धुन पर थिरके ऋतिक

राकेश रोशन ने दूल्हा-दुल्हन के साथ पोज दिया, सुजैन खान बॉयफ्रेंड संग शामिल हुईं

म्यूजिक कंपोजर राजेश रोशन के बेटे ईशान रोशन मंगलवार को अपनी लॉन्ग टाइम गर्लफ्रेंड ऐश्वर्या सिंह के साथ शादी के बंधन में बंध गए। इस खास मौके पर पूरा रोशन परिवार साथ नजर आया।ऋतिक ने कजन की शादी के लिए ग्रे और वाइट रंग का ट्रेडिशनल कुर्ता-पजामा के साथ हैवी एम्ब्रॉयडरी वाला जैकेट कैरी किया था। साथ ही, उन्होंने गोल्डन रंग का साफा भी बांधा था। एक्टर ने बारात में फैमिली के साथ जमकर डांस भी किया। अपने खास दिन के लिए ऐश्वर्या ने पिंक कलर का लहंगा पहना था, जिसमें वो काफी खूबसूरत लग रही थीं। उन्होंने ओपन हेयर के साथ मांग टीका स्टाइल किया था। बता दें इससे पहले मेहंदी सेरेमनी में ऋतिक रोशन पूरे परिवार के साथ शामिल हुए थे। एक्टर अपने दोनों बेटे रेहान और हृदान और गर्लफ्रेंड सबा आजाद स्पॉट हुए थे।
कजन के संगीत में ऋतिक रोशन ब्लैक-ब्लू थ्री-पीस सूट पहने पहुंचे थे। वहीं ऋतिक की पूर्व पत्नी सुजैन खान भी बॉयफ्रेंड अर्सलान गोनी के साथ फंक्शन में शामिल होने पहुंची थीं।

समधन के बर्थडे पर नीता अंबानी ने बिखेरा रॉयल चार्म

रेयर ब्राजीलियन पराइबा टूरमलाइन में दिखाए ठाठ

नीता अंबानी ने अपना बर्थडे तो बहुत ही सादगी के साथ मनाया,लेकिन बड़ी समधन मोना मेहता के जन्मदिन पर सबका ध्यान अपनी तरफ खींच लिया। इस मौके पर उन्होंने एक ऐसा जूलरी पीस पहना था,जिसने सबको हैरान कर दिया।
अंबानी फैमिली की लेडीज जहां भी होती हैं, वहां सिर्फ उन्हीं के चर्चे होते हैं। हर किसी की नजर उन्हीं पर होती है। अंबानी फैमिली की महिलाओं के एक-एक आउटफिट महंगे होते हैं कि कीमत जान लोगों हैरान रह जाते हैं। और जब बात नीता अंबानी की हो तो वह अक्सर अपने लुक और अंदाज से चर्चा का विषय बन जाती हैं। 61 साल की उम्र में भी उनका चार्म बरकरार है। हाल ही में नीता अंबानी ने अपनी बड़ी समधन यानी बड़ी बहू श्लोका मेहता की मां मोना मेहता के बर्थडे में शिरकत की, जहां उन्होंने सबको हैरानी में डाल दिया। नीता अंबानी ने मोना मेहता के 60वें जन्मदिन पर एक हीरों से भी कीमती दुर्लभ रत्न वाला नेकलेस पहना था, जिसकी अब हर तरफ चर्चा हो रही है।

नीता अंबानी ने पहना रेयर ब्राजीलियन पराइबा टूरमलाइन

अपनी बड़ी समधन मोना मेहता के 60 वें बर्थडे सेलिब्रेशन में पहुंचीं नीता अंबानी ने एक रेयर ब्राजीलियन पराइबा टूरमलाइन वाला नेकपीस पहना था,जिसकी अब हर तरफ चर्चा है। लोग इस नेकलेस की चर्चा कर रहे हैं और जानना चाहते हैं कि आखिर पराइबा टूरमलाइन क्या है और आखिरकार इसकी खासियत क्या है। तो चलिए

जानते हैं इस दुर्लभ रत्न के बारे में, जिसे पहन मिसेज अंबानी ने सबको हैरत में डाल दिया।

क्या है पराइबा टूरमलाइन?

अपनी बड़ी समधन मोना मेहता के जन्मदिन नीता अंबानी ने जो रत्न पहना था, वो कोई आम रत्न नहीं है। पराइबा टूरमलाइन एक बेहद खास और रेयर रत्न है, जो ब्राजील के पराइबा में स्थित बटलहा खदान से प्राप्त होता है। सबसे पहले इस रत्न को 1989 में हेटॉर डिमॉस बरबोजा ने खोजा था, जिसके बाद ये पूरी दुनिया में फेमस हो गया। ये रत्न कुछ ही रंगों में मिलता है, जैसे नीला, हरा या फिरोजी। इसे पराइबा इसलिए कहा जाता है, क्योंकि ये ब्राजील के पराइबा इलाके में मिला था और चमक के मामले में इस रत्न का मुकाबला कोई जेमस्टोन नहीं कर सकता।

क्या है पराइबा टूरमलानन की खासियत?

पराइबा टूरमलाइन अपने गहरे नीले रंग के लिए प्रसिद्ध है। इस रत्न की खोज 1989 में हुई थी, जो अब दुनिया के सबसे महंगे रत्नों में से एक बन चुका है। टूरमलाइन रत्नों में रंग मैंगनीज, लोहा, क्रोम और वैनेडियम के मिलने से आता है और तांबे के सूक्ष्म तत्व इसे विशिष्ट नीली चमक प्रदान करते हैं। यूं तो ये रत्न कई रंगों और पैटर्न में आता है, लेकिन सिर्फ पराइबा ही नियॉन ब्लू या यूं कहें ब्लूइश ग्रीन कलर में आता है।

नीता अंबानी के कलेक्शन का सबसे खूबसूरत पीस

नीता अंबानी का ये पराइबा टूरमलाइन नेकपीस अब काफी चर्चा में है, क्योंकि ये उनके सारे हार से अलग दिक रहा है। इस पर सुंदर पराइबा टूरमलाइन लगा था, जिसके चारों तरफ जगमगाते हीरे जड़े थे। इस खूबसूरत नेकपीस के साथ मिसेज अंबानी ने ओवल शेप और कुशन-कट हीरे के झुमके और एक शानदार हीरे की अंगूठी पहनी थी, लेकिन पैराइबा ने सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया।

चौतरफा थू-थू के बाद भी बॉक्स ऑफिस पर दहाड़ी थी ये फिल्म

अब दूसरे पार्ट की शुरू हुई हलचल, विवादों में घिरे रहे थे डायरेक्टर

एनिमल फिल्म के बाद अब इसके सीक्वल की चर्चा तेज हो गई है। एनिमल पार्क साल 2027 में रिलीज होगी। 2 साल पहले रिलीज हुई फिल्म एनिमल काफी ट्रोलिंग झेलती रही थी और फिर भी सुपरहिट रही थी।बीते 2 साल पहले बॉलीवुड में एक ऐसी फिल्म रिलीज हुई थी जिसकी बॉक्स ऑफिस दहाड़ ने लोगों को हिला दिया था। फिल्म भले ही अपने कंटेंट के लिए सोशल मीडिया पर थू-थू बटोरती रही थी और लोगों ने इसे एक बुरी कहानी बताया था। लेकिन इसके बाद भी इसने कमाई के मामले में छप्पड़ फाड़ दिए थे और साल की तीसरी सबसे कमाऊ बॉलीवुड फिल्म मिली थी। अब इसी फिल्म के सीक्वल की सुर्खियां फिर से सामने आने लगी हैं। हम बात कर रहे हैं फिल्म एनिमल की जो 2023 में रिलीज हुई थी और 901 करोड़ रुपयों की कमाई करने में सफल रही थी। अब इस फिल्म के सीक्वल एनिमल पार्क

खूब बुराइयों के बाद भी हिट रही थी फिल्म

फिल्म एनिमल में रणबीर कपूर और रश्मिका मंदाना ने लीड रोल निभाया था। फिल्म को संदीप रेड्डी वांगा ने डायरेक्ट किया था और इसमें त्रिप्ति डिमरी ने भी अहम किरदार निभाया था। फिल्म की कहानी खून खच्चर, बेहिसाब मारधाड़ और गोलियों की बरसात से भरी रही थी। फिल्म की कहानी रणविजय सिंह नाम के हीरो के इर्दगिर्द घूमती है जिसे रणबी कपूर ने प्ले किया था। रणविजय का अपने पिता के प्रति बहुत प्यार है लेकिन दोनों के बीच काफी कॉम्पलीकेटेड रिलेशनशिप है। फिल्म को जहां बॉक्स ऑफिस पर खूब प्यार मिला था वहीं सोशल मीडिया पर काफी बुराई भी देखने को मिली थी। जिसमें लोगों ने आरोप लगाया था कि इसमें गैरजरूरी हिंसा, हल्की कहानी और सनकीपन को ग्लोरिफाई किया गया था। साथ ही इसमें महिलाओं के साथ होने वाले अत्याचार को भी सटल तरीके से नॉर्मलाइज किया गया है। हालांकि इन सब बुराइयों के बाद भी फिल्म ने 901 करोड़ रुपयों का व्यापार किया था।

अब फिल्म के सीक्वल की होने लगी चर्चा

अब एनिमल फिल्म के सीक्वल एनिमल पार्क की सुगबुगाहट भी तेज हो चली है। हालांकि फिल्म 2027 में रिलीज होने की योजना मेकर्स ने बनाई है। बीते दिनों रणबीर कपूर खुद इस खबर को कन्फर्म कर चुके हैं जिसमें उन्होंने बताया था कि एनिमल पार्क पागलपन की सीमाओं परे है। हाल ही में एक्ट्रेस सलोनी बत्रा ने भी एनिमल पार्क को कन्फर्म किया है। अब देखना होगा कि क्या संदीप रेड्डी वांगा अगली फिल्म को भी बॉक्स ऑफिस पर इतना ही हिट करा पाते हैं या नहीं।

राज की खूबसूरत भूतनी,जिसके बिपाशा से ज्यादा हुए चर्चे

चॉकलेटी हीरो से की थी शादी, फिर क्यों चुनी गुमनामी?

2002 में रिलीज हुई राज उस दौर की सबसे सफल फिल्मों में से एक थी, जिसकी रिलीज के साथ बिपाशा बसु और डीनो मोरिया रातों-रात स्टार बन गए। इस फिल्म की कहानी के साथ-साथ इसके गाने भी खूब पसंद किए गए और इसमें नजर आई खूबसूरत भूतनी ने भी खूब सुर्खियां बटोरीं।
विक्रम भट्ट का नाम आते ही लोगों को उनकी फिल्म राज जरूर याद आ जाती है। यूं तो उन्होंने अपने करियर में कई शानदार फिल्में दी हैं, लेकिन राज उनकी सबसे सफल और चर्चित फिल्मों में से है, जो 2002 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में बिपाशा बसु और डीनो मोरिया लीड रोल में थे और उन दिनों दोनों की जोड़ी काफी पसंद की गई थी। बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म ने खूब धूम मचाई और जबरदस्त कमाई की। फिल्म में बिपाशा और डीनो मोरिया के अलावा आशुतोष राणा और मालिनी शर्मा जैसे कलाकार भी अहम रोल में थे। मालिनी ने फिल्म में भूतनी का रोल निभाया था और देखते ही देखते सुर्खियों में आ गईं। लेकिन,कुछ ही फिल्में करने के बाद मालिनी शर्मा लाइमलाइट से ऐसी दूर हुईं कि अब लोग उनकी एक झलक को भी तरस गए हैं। लेकिन, ऐसा क्या हुआ जो इतनी बड़ी ब्लॉकबस्टर के बाद भी मालिनी बड़े पर्दे से दूर हो गईं? तो चलिए जानते हैं अब मालिनी कहां हैं और क्या कर रही हैं।

राज की खूबसूरत भूतनी मालिनी शर्मा

राज में मालिनी शर्मा ने ही मालिनी नाम की भूतनी का किरदार निभाया था। 2002 में जब ये फिल्म रिलीज हुई तो बिपाशा बसु के साथ-

साथ मालिनी के भी खूब चर्चे हुए। अपनी डेब्यू फिल्म से ही मालिनी स्टार बन गईं, उन्हें लगातार फिल्मों के ऑफर आने लगे। लेकिन, पहली ही फिल्म से अपार सफलता के बाद भी मालिनी ने अभिनय की दुनिया को अलविदा कह दिया। मालिनी को राज के बाद महेश भट्ट की गुनाह ऑफर हुई, लेकिन शूटिंग शुरू होने के 2 दिन पहले ही उन्हें बाहर का रास्ता दिखा दिया गया और फिर बिपाशा ने उनकी जगह ले ली और राज मालिनी के करियर की इकलौती फिल्म बनकर रह गई।

डेब्यू से पहले ही शादी और तलाक

मालिनी शर्मा फिल्मों में डेब्यू से पहले ही एक बड़े दर्द से गुजर चुकी थीं। अभिनेत्री ने उस दौर के चॉकलेटी हीरो प्रियांशु चटर्जी से शादी की थी। दोनों ने 1997 में शादी की और 4 साल बाद ही 2001 में दोनों का तलाक हो गया।
मालिनी शर्मा का पूरा नाम मालिनी दमन शर्मा है और अभिनेत्री बनने से पहले वह जानी-मानी मॉडल थीं। फिल्मों में अभिनय से पहले उन्होंने कई कई म्यूजिक वीडियोज में भी काम किया। उनके सबसे सफल म्यूजिक वीडियोज की बात करें तो वह सावन में लग गई आग है, जिसने एक समय पर हर तरफ धूम मचा दी थी। इसके अलावा वह रांझर, क्या सूरत है और कितनी अकेली जैसे म्यूजिक वीडियोज में भी दिखाई दीं।

अब कहां हैं मालिनी शर्मा?

मालिनी शर्मा अब खुद को पूरी तरह से लाइमलाइट से दूर कर चुकी हैं। राज के बाद वह बड़े पर्दे से ऐसे ओझल हुई कि किसी को उनका सुराग नहीं मिल पाया। राज से रातों-रात सुर्खियों में आने के बाद भी उन्होंने एंटरटेनमेंट और लोगों की नजरों से दूर प्राइवेट लाइफ गुजारने का फैसला लिया और अचानक ही सबकी नजरों से दूर हो गईं और अब उनकी लोकेशन को लेकर किसी तरह की कन्फर्म जानकारी नहीं है।

खेल समाचार

विमेंस बॉलर्स रैंकिंग में दीप्ति पहली बार नंबर-1

बैटर्स में जेमिमा को पांच स्थान का फायदा
स्मृति मंधाना दूसरे नंबर पर खिसकी

दुबई,23 दिसम्बर 2025। विमेंस रैंकिंग में दो नए नंबर-1 खिलाड़ी सामने आए हैं। भारत की दीप्ति शर्मा पहली बार टी-20 इंटरनेशनल गेंदबाजों की रैंकिंग में टॉप पर पहुंच गई हैं, जबकि साउथ अफ्रीका की कप्तान लौरा वोल्वार्ट ने वनडे बल्लेबाजों में फिर से नंबर-1 स्थान हासिल कर लिया है।
दीप्ति ने यह उपलब्धि भारत और श्रीलंका के बीच घरेलू टी-20 सीरीज के पहले मैच में शानदार प्रदर्शन के दम पर हासिल की। विशाखापट्टनम में खेले गए इस मुकाबले में उन्होंने 4 ओवर में 20 रन देकर 1 विकेट लिया, जिसने भारत की जीत की नींव रखी। इस प्रदर्शन से दीप्ति को 5 रेटिंग पॉइंट्स का

फायदा हुआ और वे 737 अंकों के साथ नंबर-1 बन गईं।
दीप्ति अब ऑस्ट्रेलिया की एनाबेल सदरलैंड से सिर्फ एक अंक आगे हैं। अगस्त से शीर्ष स्थान पर बनी हुई सदरलैंड इस रैंकिंग अपडेट के बाद दूसरे नंबर पर खिसक गई हैं।

जेमिमा रोड्रिग्स को पांच स्थान का फायदा

इस रैंकिंग अपडेट में दीप्ति की टीम-मेट जेमिमा रोड्रिग्स को भी बड़ा फायदा हुआ है। जेमिमा ने पांच स्थान की छलांग लगाकर टी-20 बल्लेबाजों में नौवां स्थान हासिल किया। विशाखापट्टनम में श्रीलंका के खिलाफ 44 गेंदों पर नाबाद 69 रन की मैच-विनिंग पारी खेलकर उन्होंने भारत को जीत दिलाई थी। टी-20 बल्लेबाजों के टॉप-10 में भारत की स्मृति मंधाना तीसरे और शेफाली वर्मा दसवें स्थान पर बनी हुई हैं।

लौरा एक बार फिर नंबर-1

वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में स्मृति मंधाना को एक स्थान का नुकसान हुआ है। साउथ अफ्रीका की लौरा वोल्वार्ट ने उन्हें पीछे छोड़ते हुए फिर से नंबर-1 पोजिशन हासिल कर ली। वोल्वार्ट ने आयरलैंड के खिलाफ घरेलू तीन मैचों की वनडे सीरीज में लगातार दो शतक लगाए, जिसे साउथ अफ्रीका ने 3-0 से जीता।
वोल्वार्ट इस सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज रहीं और उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। उन्होंने 127.50 की औसत से 255 रन बनाए। इसमें दूसरे वनडे में 124 रन की पारी (जब टीम ने 375 का स्कोर बनाया) और तीसरे वनडे में नाबाद 100 रन शामिल हैं, जहां साउथ अफ्रीका ने 206 रन का लक्ष्य सफलतापूर्वक हासिल किया।

अरुंधति बॉलर्स रैंकिंग में 36 वें स्थान पर पहुंची

गेंदबाजों की रैंकिंग में भारत की अरुंधति रेड्डी को भी फायदा हुआ है। वे पांच स्थान ऊपर चढ़कर 36वें नंबर पर पहुंच गई हैं। वहीं आयरलैंड की अर्लेने केली वनडे गेंदबाजों में पांच स्थान की छलांग लगाकर 27वें पायदान पर पहुंची हैं।

हॉकी इंडिया लीग रोमांचक है:आर्थर वैन डोरेन

नई दिल्ली,23 दिसम्बर 2025। आर्थर वैन डोरेन आधुनिक हॉकी के सबसे सम्मानित रक्षकों में से एक हैं। बेल्जियम के इस हॉकी खिलाड़ी ने टोक्यो 2020 ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीता है और वे 2023 विश्व कप के चैंपियन भी हैं। आर्थर ने रियो 2016 ओलंपिक खेलों और 2023 विश्व कप में रजत पदक भी जीते हैं। वर्तमान में चल रही एफआईएच हॉकी प्रो लीग में बेल्जियम का नेतृत्व कर रहे वैन डोरेन ने 2012 में वरिष्ठ स्तर पर पदार्पण करने के बाद से 276 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं।

लीग मैचों में सीएबी राजस्थान और सीएबी केरल ने जीत हासिल की

हुबली,23 दिसम्बर 2025। मंगलवार को हुबली के रेलवे स्पोर्ट्स ग्राउंड में खेले गए नागेश ट्रॉफी पुरुषों के नेशनल टी 20 क्रिकेट टूर्नामेंट फॉर द ब्लाइंड के 8वें एडिशन के लीग मैच में राजस्थान ने हिमाचल पर 10 विकेट से शानदार जीत दर्ज की। टॉस जीतकर राजस्थान ने पहले फील्डिंग करने का फैसला किया और अनुशासित गेंदबाजी करते हुए हिमाचल को 20 ओवर में 164/8 रन पर रोक दिया।

विजय कुमार ने हिमाचल के लिए 104 रनों की तेज पारी खेली, जबकि बीआर कौशल ने 22 रन बनाए। विजय कुमार के प्रतिरोध के बावजूद, राजस्थान के गेंदबाजों ने नियमित अंतराल पर विकेट लेकर हिमाचल को लगातार लय बनाने से रोक दिया। राजस्थान के कप्तान ललित मीना ने गेंद से आगे बढ़कर नेतृत्व किया और दो विकेट लिए, जिसमें मुरारी लाल ने उनका अच्छा साथ दिया।

सूरमा हॉकी क्लब की टीम में हरमनप्रीत सिंह

सविता पुनिया और सलीमा टेटे बनाए गए कप्तान

नई दिल्ली,23 दिसम्बर 2025। सूरमा हॉकी क्लब (एसएचसी) ने घोषणा की है कि हॉकी इंडिया लीग के आगामी संस्करणों के लिए उसकी पुरुष और महिला टीमों का नेतृत्व पहले जैसा ही रहेगा। अनुभवी हरमनप्रीत सिंह पुरुष टीम का नेतृत्व करना जारी रखेंगे। वहीं, वरिष्ठ गोलकीपर सविता पुनिया और मिडफील्डर सलीमा टेटे महिला टीम की सह-कप्तान होंगी। हरमनप्रीत सिंह की रक्षात्मक क्षमता और विश्व स्तरीय ड्रैग फ्लिकिंग कौशल ने पुरुष टीम को स्थिरता और आक्रामक धार प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पिछले सीजन में हॉकी इंडिया लीग में टीम तीसरे स्थान पर रही थी। भारतीय राष्ट्रीय हॉकी टीम के कप्तान के रूप में उन्होंने देश को ओलंपिक और एशियाई खेलों के पदकों सहित कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां दिलाई हैं। दबाव में उनका अनुभव और शांत स्वभाव उनके साथियों के लिए एक उदाहरण प्रस्तुत करता है, जिससे मैदान पर सफल होने की उनकी महत्वाकांक्षा को बल मिलता है।

बीसीसीआई ने घरेलू महिला क्रिकेटरों का वेतन बढ़ाया

नई दिल्ली,23 दिसम्बर 2025। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने घरेलू महिला क्रिकेटरों के भुगतान ढांचे में महत्वपूर्ण संशोधन करने का निर्णय लिया है। बीसीसीआई के एक सूत्र के अनुसार, बीसीसीआई ने घरेलू क्रिकेट में महिला क्रिकेटरों के लिए प्रतिदिन का शुल्क 20,000 रुपये से बढ़ाकर 50,000 रुपये कर दिया है। भारत की 2025 आईसीसी वर्ल्ड कप जीत ने भारतीय महिला क्रिकेटरों को काफी प्रोत्साहन दिया है, जिसके चलते बीसीसीआई ने अपनी भुगतान प्रणाली में संशोधन किया है। बोर्ड ने घरेलू महिला क्रिकेटरों के लिए मैच फीस दोगुनी से भी अधिक कर दी है।

छत्तीसगढ़ में एसआईआर के तहत ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी

6 लाख से अधिक मृतक समेत 27 लाख से अधिक नाम कटे

रायपुर,23 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ में राज्य निर्वाचन आयोग ने वोटर लिस्ट के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी कर दी है। इस वर्ष एसआईआर अभियान के दौरान कुल 1 करोड़ 84 लाख 95 हजार 920 मतदाताओं से एनरोलमेंट फॉर्म एकत्र किए गए है। वोटर लिस्ट से 6 लाख से अधिक मृतक समेत 27 लाख 34 हजार 817 मतदाताओं के नाम काटे गए हैं।

27 लाख से अधिक नाम हटाए गए

राज्य निर्वाचन आयोग ने बताया कि ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में 27 लाख 34 हजार 817 मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। इनमें गैर-मौजूद, स्थायी रूप से स्थानांतरित और मृतक मतदाता शामिल हैं। इसके अलावा, पिछली एसआईआर में जिन मतदाताओं के नाम शामिल नहीं हो पाए थे या जो बूथ लेवल ऑफिसर को आवश्यक दस्तावेज नहीं सौंप पाए थे, उनके नाम भी नए ड्राफ्ट में अलग से उल्लेख किए गए हैं।

ऐसे चेक करे लिस्ट में अपना नाम

ड्राफ्ट वोटर लिस्ट इलेक्ट्रॉनिक और सर्चेबल फॉर्मेट में छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग की आधिकारिक वेबसाइट https://ceochhattisgarh.nic.in पर उपलब्ध है। मतदाता EPIC नंबर (वोटर आईडी नंबर), जिला, विधानसभा क्षेत्र, वार्ड/गांव और बूथ नंबर के जरिए आसानी से अपना नाम खोज सकते हैं। इसके अलावा, पूरी सूची को डाउनलोड करना भी संभव है।

21 फरवरी 2026 को जारी की जाएगी अंतिम मतदाता सूची

निर्वाचन आयोग ने मतदाताओं से अपील की है कि वे 23 दिसंबर 2025 से 22 जनवरी 2026 के बीच अपनी जानकारी की जांच करें और किसी भी त्रुटि या अपवाद के लिए दावा-आपत्ति दर्ज कराएँ। आयोग ने यह भी स्पष्ट किया कि 21 फरवरी 2026 को अंतिम मतदाता सूची जारी की जाएगी। राज्य निर्वाचन आयोग ने मतदाताओं को सचेत किया है कि सही जानकारी और वोटिंग अधिकार सुनिश्चित करने के लिए यह पुनरीक्षण अत्यंत महत्वपूर्ण है। मतदाता सूची में संशोधन और नामों का अपडेशन चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता और सुचारू संचालन के लिए अनिवार्य है।

ज्ञानपीठ से सम्मानित साहित्यकार विनोद कुमार शुक्ल का निधन

रायपुर,23 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के मशहूर कवि, कथाकार और उपन्यासकार विनोद कुमार शुक्ल का 88 साल की उम्र में मंगलवार शाम को निधन हो गया है। एक महीने पहले ही उन्हें भारत के सर्वोच्च साहित्यिक सम्मान ज्ञानपीठ पुरस्कार से नवाजा गया था। विनोद शुक्ल पिछले कुछ महीनों से बीमार चल रहे थे। उनका रायपुर एम्स में इलाज चल रहा था। साहित्यकार विनोद कुमार शुक्ल को ज्ञानपीठ के महाप्रबंधक आरएन तिवारी ने वाग्देवी की प्रतिमा और पुरस्कार का चेक सौंपकर उन्हें सम्मानित किया था। ज्ञानपीठ पुरस्कार पाने वाले वे छत्तीसगढ़ के पहले साहित्यकार हैं। इस दौरान विनोद कुमार शुक्ल ने कहा था- जब हिन्दी भाषा सहित तमाम भाषाओं पर संकट की बात कही जा रही है, मुझे पूरी उम्मीद है कि नई पीढ़ी हर भाषा और हर विचारधारा का सम्मान करेगी। किसी भाषा या अच्छे विचार का नष्ट होना,मनुष्यता का नष्ट होना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी विनोद कुमार शुक्ल से उनका हाल-चाल जाना था। पीएम छत्तीसगढ़ के 25वें स्थापना दिवस पर रायपुर आए थे। इस दौरान विनोद कुमार शुक्ल ने प्रधानमंत्री से कहा था कि, 'लिखना मेरे लिए सांस लेने जैसा है। मैं जल्द से जल्द घर लौटना चाहता हूं - मैं लिखना जारी रखना चाहता हूं।'

'हर मनुष्य को अपने जीवन में एक किताब जरूर लिखनी चाहिए' : लंबे समय से बच्चों और किशोरों के लिए भी लेखन कर रहे विनोद कुमार शुक्ल ने कहा था कि उन्हें नई पीढ़ी से बहुत उम्मीदें हैं। उन्होंने कहा, अच्छी किताबें हमेशा साथ रखनी चाहिए। किसी भी क्षेत्र में शास्त्रीयता को पाना है तो उस क्षेत्र के सबसे अच्छे साहित्य के पास जाना चाहिए। आलोचना पर उन्होंने अपने स्वभाव के अनुरूप बेहद सरल लेकिन गहरी बात कही- अगर किसी अच्छे काम की आलोचना की जाती है, तो वही आलोचना आपकी सबसे बड़ी ताकत बन सकती है। कविता की सबसे अच्छी आलोचना है- एक और बेहतर कविता लिख देना। विनोद कुमार शुक्ल ने जीवन के अनुभवों पर बात करते हुए कहा था कि असफलताएं, गलतियां और आलोचनाएं हर जगह मिलेंगी, लेकिन उसी बिखराव में कहीं छिटका हुआ अच्छा भी मौजूद होता है। 'जब कहीं किसी का साथ न मिले, तब भी चलो-अकेले चलो। उम्मीद ही जीवन की सबसे बड़ी ताकत है। मेरे लिए लिखना और पढ़ना सांस लेने की तरह है।' इसके बाद उन्होंने अपनी एक प्रसिद्ध कविता 'सबके साथ' का पाठ भी किया, जिसमें मनुष्य के भीतर मौजूद सामूहिक संवेदना की गहरी छवि दिखाई देती है।

छत्तीसगढ़ पुलिस में बड़ा फेरबदल

3 आईपीएस समेत 98 अफसरों के तबादले

रायपुर,23 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ पुलिस महकमे में बड़ा फेरदबल हुआ है। 3 आईपीएस और 95 राज्य पुलिस सेवा के अधिकारियों का तबादले आदेश जारी हुआ है। कांकेर हिंसा के बाद छत्तीसगढ़ गृह विभाग ने एक्शन लेते हुए एसपी को हटाया है। एसपी एसएसपी इंदिरा कल्याण एलेसेला को हटाकर स्थान पर गरियाबंद के एसपी निखिल राखेचा को भेजा गया है। वहीं वेदव्रत सिरमौर को पर्यटन विभाग के प्रतिनियुक्ति समाप्त कर गरियाबंद एसपी बनाया गया है। कांकेर के पूर्व एसपी को सरगुजा छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल उत्तरी रेंज का उपमहानिरीक्षक बनाया गया है। यह तबादला आदेश 22 दिसंबर की देर रात जारी किया गया। राज्य सरकार के निर्देश पर गृहविभाग के अवर सचिव डीएस धुर्वे द्वारा सोमवार को इसका आदेश जारी किया गया है। बताया जाता है कि कांकेर के आमाबेड़ा में पिछले दिनों हुई हिंसा को सरकार ने गंभीरता से लिया था। इसे देखते हुए एसपी को बदलने के संकेत मिले थे। इसके अलावा रायपुर, दुर्ग और राजनांदगांव के एडिशनल एसपी बदले गए हैं। दुर्ग के एडिशनल एसपी अभिषेक कुमार झा को बस्तर कैंप स्थित एसबी शाखा में एएसपी बनाया गया है। वहीं, रायपुर के एडिशनल एसपी ग्रामीण कीर्तन राठौर को राजनांदगांव का एडिशनल एसपी नियुक्त किया गया है। बेमेतरा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ज्योति सिंह का तबादला उप सेनानी 21 वीं वाहिनी करकाभाट जिला बालोद हुआ है। अब बेमेतरा के नए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरिश कुमार यादव होंगे।

छत्तीसगढ़ स्किल टेक में कौशल-आधारित निवेश को मिली नई गति,13,690 करोड़ रुपये के स्किलिंग-लिंक्ड निवेश आकर्षित

छत्तीसगढ़ में कौशल-एकीकृत औद्योगिक विकास को मिल रही नई गति : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

रायपुर,23 दिसम्बर 2025। भविष्य-उन्मुख कौशल विकास के साथ औद्योगिक विकास को सुदृढ़ रूप से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए, छत्तीसगढ़ शासन के कौशल विकास विभाग एवं वाणिज्य एवं उद्योग विभाग द्वारा 23 दिसंबर 2025 को छत्तीसगढ़ स्किल टेक का आयोजन किया गया। यह उद्योग-केंद्रित निवेश कार्यक्रम प्रधानमंत्री सेतु योजना के अंतर्गत कौशल विकास में निजी क्षेत्र की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम के दौरान विभिन्न निवेश प्रस्तावों पर समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किए गए तथा निवेश आमंत्रण पत्र जारी किए गए। कुल मिलाकर 13,690 करोड़ रुपये से अधिक के प्रस्तावित निवेश सामने आए हैं, जिनसे राज्य में 12,000 से अधिक रोजगार अवसर सृजित होने की संभावना है। ये निवेश विभिन्न क्षेत्रों में कौशल-आधारित रोजगार को मजबूती प्रदान करेंगे।

कौशल-आधारित औद्योगिक विकास की धुरी बना गेल का प्रोजेक्ट

: निवेश प्रतिबद्धताओं में गेल का प्रस्तावित गैस-आधारित उर्वरक संयंत्र राज्य के लिए एक प्रमुख एवं सबसे बड़े औद्योगिक प्रस्तावों में से एक के रूप में उभरकर सामने आया। लगभग 10,500 करोड़ रुपये के प्रथम चरण निवेश तथा 1.27 मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष यूरिया उत्पादन क्षमता के साथ यह परियोजना छत्तीसगढ़ को देश के डाउनस्ट्रीम पेट्रोकेमिकल एवं उर्वरक मानचित्र पर सशक्त रूप से स्थापित करेगी। यह प्रस्तावित परियोजना गेल की मुंबई-नागपुर-झारसुगुड़ा प्राकृतिक गैस पाइपलाइन के साथ प्लान की गई है, जो अनुकूल तकनीकी-आर्थिक व्यवहार्यता पर आधारित होगी। यह परियोजना राजनांदगांव जिले के बिजेतला क्षेत्र में 400 एकड़ से अधिक भूमि पर प्रस्तावित है,जबकि 100 एकड़ अतिरिक्त भूमि एक समर्पित टाउनशिप के लिए आरक्षित की गई है।

विविध क्षेत्रों में निवेश रुचि से मजबूत हुआ कौशल पारिस्थितिकी तंत्र...

गेल के अतिरिक्त, छत्तीसगढ़ स्किल टेक में परिधान एवं वस्त्र, फार्मास्यूटिकल्स, इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग, सोलर पैनल निर्माण तथा अन्य उभरते (सनराइज) क्षेत्रों में भी निवेशकों की मजबूत रुचि देखने को मिली। ये सभी क्षेत्र राज्य की कौशल विकास प्राथमिकताओं एवं रोजगार सृजन लक्ष्यों के अनुरूप हैं। कार्यक्रम के दौरान जशपुर में स्थापित आदित्य बिरला स्किल सेंटर को भी एक महत्वपूर्ण उद्योग-प्रेरित कौशल पहल के रूप में रेखांकित किया गया, जिसका उद्देश्य पारंपरिक एवं उभरते क्षेत्रों में कार्यबल की क्षमताओं को सुदृढ़ करना और आजीविका के अवसर बढ़ाना है। छत्तीसगढ़ स्किल टेक राज्य में पहले से चल रहे निवेश गति को और आगे बढ़ाने वाला मंच सिद्ध हुआ है।

परियोजना के संचालन में आने के पश्चात लगभग 3,500 प्रत्यक्ष रोजगार अवसर सृजित होने की संभावना है। इसके साथ ही संचालन,तकनीकी सेवाओं, लॉजिस्टिक्स, मेंटेनेंस तथा संबद्ध क्षेत्रों में कुशल मानव संसाधन की निरंतर मांग उत्पन्न होगी,जो राज्य के कौशल-एकीकृत औद्योगिकीकरण के दृष्टिकोण को और सशक्त करेगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा 'छत्तीसगढ़ का विकास मॉडल निवेश, रोजगार और कौशल को आपस में जोड़ने पर आधारित है।

कलिंगा यूनिवर्सिटी में विवाद के बाद 4 मंजिला इमारत से गिरा नाइजीरियन छात्र

रायपुर,23 दिसम्बर 2025। नवा रायपुर स्थित कलिंगा यूनिवर्सिटी में मंगलवार को उस वक्त हड़कंप मच गया, जब नाइजीरियन मूल के एमबीए छात्र की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक की पहचान सैम के रूप में हुई है,जो कलिंगा यूनिवर्सिटी में एमबीए सेकेंड ईयर का छात्र था। यह पूरा मामला मंदिर हसौद थाना क्षेत्र का है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि घटना से पहले आपसी विवाद और कथित बदसलूकी को लेकर कैंपस में तनाव की स्थिति बनी थी। बताया जा रहा है कि एक विदेशी छात्रा से जुड़ा विवाद उस समय और बढ़ गया, जब उसका बॉयफ्रेंड मौके पर पहुंच गया। इसी दौरान नाइजीरियन छात्र सैम ने कथित तौर पर चार मंजिला इमारत से छलांग लगा दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही मंदिर हसौद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मामले में पुलिस ने नोई नामक युवक और उसकी महिला मित्र को हिरासत में लेकर पूछताछ की,जिसके बाद दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। मंदिर हसौद थाना प्रभारी आशीष यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सैम की मौत ऊंचाई से गिरने के कारण होना सामने आया है। उन्होंने कहा कि घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

छत्तीसगढ़ में 'महतारी गौरव वर्ष' की घोषणा

मुख्यमंत्री साय ने पेश किया दो वर्षों का रिपोर्ट कार्ड

रायपुर,23 दिसम्बर 2025। रायपुर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने कार्यकाल के दो वर्ष पूरे होने पर प्रदेश की जनता के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया और सरकार की प्रमुख उपलब्धियों का विस्तृत रिपोर्ट कार्ड जनता के समक्ष प्रस्तुत किया।

उन्होंने पहले वर्ष को 'विश्वास वर्ष' बताते हुए कहा कि इस दौरान शासन और जनता के बीच खोया हुआ भरोसा पारदर्शिता, जनसंवाद और जवाबदेही के माध्यम से पुनः स्थापित किया गया। दूसरे वर्ष को भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृति में 'अटल निर्माण वर्ष' रूप में मनाया गया। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस वर्ष आधारभूत ढांचे के विस्तार,सड़क-संचार,सिंचाई, शिक्षा-स्वास्थ्य सुविधाओं तथा जनकल्याणकारी योजनाओं पर विशेष जोर दिया गया। कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं तेज गति से पूरी हुईं,जिससे राज्य के सर्वांगीण विकास को नई गति मिली। आगामी वर्ष की घोषणा करते हुए सीएम साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की सबसे बड़ी शक्ति हमारी मातृशक्ति है। माताओं-बहनों के आशीर्वाद से ही सरकार को जनसेवा की प्रेरणा मिलती है। इसी भावना से नए वर्ष को 'महतारी गौरव वर्ष' घोषित किया गया है।

झीरम कांड पर बयानबाजी से बढ़ा सियासी टकराव...

दीपक बैज ने की जेपी नड्डा-रमन सिंह के 'नार्को टेस्ट' की मांग

रायपुर,23 दिसम्बर 2025। झीरम घाटी हत्याकांड को लेकर एक बार फिर छत्तीसगढ़ की राजनीति में उबाल देखने को मिल रहा है। केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के हालिया बयान के बाद सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। कांग्रेस ने इस बयान को सीधे तौर पर सवालों के घेरे में लेते हुए पलटवार किया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने जेपी नड्डा के बयान को गंभीर बताते हुए कहा कि यदि भाजपा नेताओं के पास झीरम कांड से जुड़े ठोस सबूत हैं, तो उनकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। दीपक बैज ने मांग की है

कि केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह का नार्को टेस्ट कराया जाए, ताकि सच्चाई सामने आ सके। दीपक बैज ने यह भी याद दिलाया कि वर्ष 2013 में झीरम घटना के समय जेपी नड्डा भाजपा के प्रदेश प्रभारी थे। ऐसे में यदि वे आज इस घटना को लेकर दावे कर रहे हैं, तो उनके पास इससे जुड़े प्रमाण अवश्य होने चाहिए। कांग्रेस का कहना है कि इतने संवेदनशील मामले में केवल राजनीतिक बयान नहीं, बल्कि तथ्यात्मक जांच जरूरी है। झीरम कांड को लेकर कांग्रेस और भाजपा के बीच जुबानी जंग अब और तेज होती नजर आ रही है। आने वाले दिनों में इस मुद्दे पर सियासत और गरमाने के आसार हैं। इधर रायपुर में झीरम कांड के पीड़ितों ने संयुक्त पीसी की है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में पूर्व विधायक अनीता शर्मा , कांग्रेस के प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गेदू,शिव सिंह ठाकुर मौजूद थे। जिसमें उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कल एक आपत्तिजनक बयान दिया था। उन्होंने कांग्रेस की नक्सलियों से सांठगांठ की बात कही थी।

लोक निर्माण विभाग में बड़ा एक्शन

भ्रष्टाचार केस में कार्यपालन अभियंता और 2 अनुविभागीय अधिकारी निलंबित

रायपुर,23 दिसम्बर 2025। राज्य सरकार ने भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति को सख्ती से लागू करते हुए लोक निर्माण विभाग (लोक निर्माण विभाग) में बड़ा प्रशासनिक कदम उठाया है। बीजापुर जिले में सड़क निर्माण कार्य में सामने आए भ्रष्टाचार मामले में एक कार्यपालन अभियंता और दो अनुविभागीय अधिकारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। जानकारी के मुताबिक, नेलसनार-कोडोली-मिरतुल-गंगालुर मार्ग के निर्माण कार्य में गंभीर अनियमित ताओं के मामले में गंगालूर थाने में अपराध पंजीबद्ध किया गया था।

विवेचना के दौरान प्रकरण में संलिप्तता पाए जाने पर लोक निर्माण विभाग, संभाग सुकमा के कार्यपालन अभियंता हरनारायण पात्र, उपसंभाग क्रमांक-1 बीजापुर के एसडीओ प्रमोद सिंह तंवर और सेतु उपसंभाग जगदलपुर के एसडीओ संतोष दास के खिलाफ कार्रवाई की गई।

जंगल में मृत मिला तेंदुआ,चारों पंजे गायब,वन्यजीव तस्करी की आशंका

धमतरी,23 दिसम्बर 2025। जिले के मगरलोड वन परिक्षेत्र अंतर्गत कोरगांव के जंगल में एक तेंदुए का शव मिलने से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। तेंदुए के शव की स्थिति बेहद संदिग्ध बताई जा रही है, क्योंकि उसके चारों पैरों के पंजे गायब पाए गए हैं। इस घटना ने वन्यजीव अपराध की आशंका को और गहरा कर दिया है। सूचना मिलते ही वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और पूरे क्षेत्र को घेराबंदी कर जांच शुरू की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह मामला मगरलोड रेंज के उत्तर सिंगपुर कक्ष क्रमांक 23 का है, जहां 22 दिसंबर की शाम करीब 4:45 बजे स्थानीय चरवाहों ने जंगल में तेंदुए का शव देखा। इसके बाद तत्काल वन विभाग को सूचना दी गई। मौके पर पहुंचे वन अमले ने शव को सुरक्षित कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है

और अब रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है, जिससे यह स्पष्ट हो सकेगा कि तेंदुए की मौत स्वाभाविक कारणों से हुई या फिर उसका शिकार किया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए जंगल सफारी रायपुर से डॉग स्क्वायड की विशेष टीम को धमतरी बुलाया गया। डॉग स्क्वायड ने रात भर जंगल और आसपास के इलाकों में गश्त और निगरानी की। टीम ने संभावित रास्तों, पैरों के निशान और अन्य सुरागों की बारीकी से जांच की है।

आज छत्तीसगढ़ बंद का ऐलान...बाजार बंद रहेंगे,चेम्बर ऑफ कॉमर्स ने किया समर्थन

कांकेर,23 दिसम्बर 2025। कांकेर जिले के आमाबेड़ा में मिशनरियों द्वारा स्थानीय जनजाति समाज पर किए गए हमले और इस मामले में स्थानीय प्रशासन के कथित पक्षपातपूर्ण रवैये के विरोध में 24 दिसंबर को 'सर्व समाज छत्तीसगढ़' द्वारा 'छत्तीसगढ़ बंद' का आह्वान किया गया है। इस बंद को छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज ने अपना पूर्ण समर्थन देने की घोषणा की है। चेंबर भवन में भाजपा व्यापारी प्रकोष्ठ के नेताओं के साथ पूरा प्लान भी बनाया। यह बैठक राजधानी स्थित चेम्बर अध्यक्ष सतीश थौरानी की अध्यक्षता में हुई बैठक में प्रदेश के विभिन्न व्यापारिक संगठनों और चेम्बर पदाधिकारियों ने आमाबेड़ा की घटना पर गहरा रोष व्यक्त किया। चेम्बर प्रदेश महामंत्री अजय भसीन ने घटना को हृदयविदारक बताते हुए कहा

कि आदिवासी समाज के प्रति सामाजिक उत्तरदायित्व निभाते हुए चेम्बर इस बंद का पुरजोर समर्थन करता है। थौरानी ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में षड्यंत्रपूर्वक और धोखे से किया जा रहा धर्मांतरण एक गंभीर मुद्दा बन चुका है। उन्होंने दुख व्यक्त किया कि ऐसी घटनाओं में स्थानीय प्रशासन का रवैया भेदभावपूर्ण रहा है। थौरानी के आह्वान पर उपस्थित सभी व्यापारिक प्रमुखों ने हाथ उठाकर बंद को अपना समर्थन दिया।

बैठक में बंद को व्यापक बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए

सुनियोजित रणनीति : चेम्बर संरक्षक श्रीचन्द सुन्दरानी ने सुझाव दिया कि बंद को इतना सुनियोजित रखा जाए कि विरोध का संदेश स्पष्ट जाए, साथ ही कच्चे माल के व्यापारियों को कम से कम आर्थिक नुकसान हो।

व्यापक असर : पूर्व विधायक लाभचंद बाफना ने कहा कि बंद की गूंज छोटे से छोटे व्यापारियों तक पहुंचनी चाहिए ताकि राष्ट्रीय स्तर पर एकता का संदेश जाए।

परिवहन ठप : ट्रांसपोर्ट चेम्बर के अध्यक्ष हरचरण सिंह साहनी ने ट्रांसपोर्ट जगत की ओर से बंद को शत-प्रतिशत समर्थन देने का ऐलान किया है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2023-2025-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)